रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

मंगलवार
03 नवम्बर -2026
वर्ष 11, अंक 54
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची



पेज-8

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में करंट लगने से 8 मजदूरों की मौत

- झुंझुनूं में सड़क बनाते समय मशीन हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई

उदयपुरवाटी (एजेंसी)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के छापोली गांव में सोमवार सुबह सड़क बना रहे 8 मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। 5 अन्य मजदूर झुलस गए। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। उदयपुरवाटी के एसएचओ रामपाल ने बताया- सड़क पर काम कर रही रोड़ी-बजरी मिक्सर मशीन का हाइड्रोलिक जैक ऊपर से गुजर रही



हाईटेंशन लाइन के तार से छू गया। इससे मशीन में करंट फैल गया और वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, छापोली में कदम कुंड की ओर जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान रोड़ी मिलाने वाली मशीन 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से टकरा गई। मशीन के बिजली लाइन की चपेट में आने से वहां काम कर रहे मजदूर करंट की चपेट में आ गए। इस हादसे में आठ मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

राहुल गांधी के खेमे में असुरक्षा का माहौल

- कांग्रेस में प्रियंका गांधी को अलग-थलग करने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व को लेकर दरार आ गई है। बीजेपी ने दावा किया है कि प्रियंका गांधी के बढ़ते प्रभाव की वजह से राहुल गांधी खेमे में असुरक्षा दिख रही है और प्रियंका गांधी को पार्टी में अलग थलग करने की कोशिश की जा रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय



प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया ब्लॉक की आयोजित रैली में प्रियंका गांधी को बोलने का मौका नहीं दिया गया। शनिवार को आयोजित सांकेतिक संसद की कार्यवाही में भी प्रियंका गांधी को अलग थलग करने की कोशिश की गई। जारी वीडियो मैसेज में प्रदीप भंडारी ने कहा कि कांग्रेस दो शक्ति केंद्रों में बंट चुकी है। राहुल गांधी का खेमा प्रियंका गांधी की राजनीतिक गतिविधियों को सीमित करने की कोशिश कर रहा है। प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की पॉलिटिकल टीम प्रियंका गांधी के प्रभाव से डरी हुई है। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर जन-मुद्दों के बजाय राजनीतिक पैंतरेबाजी को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है।

सीआईएसएफ ने सुरक्षा देने का 56 साल पुराना स्ट्रक्चर बदला

अब पावर-स्टील प्लांट और बंदरगाह के लिए अलग-अलग सेक्टर, पहले जोन वाइज था

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने सबसे बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। फोर्स ने आज से अपने 56 साल पुराने टेरिटोरियल कमांड मॉडल को खत्म करके फंक्शनल सेक्टर मॉडल अपना लिया है। फोर्स अब तक जोन के हिसाब से काम करती थी। जैसे - मुंबई जोन के एक ही अधिकारी के पास पावर प्लांट भी होता था और कोयला खदान भी। इससे सुरक्षा मिली-जुली रहती थी। नए मॉडल में एक जैसी इंडस्ट्रियल यूनिट को एक ही छतरी के नीचे लाया गया है। यानी देशभर के सारे पावर प्लांट, सारे स्टील प्लांट, सारे बंदरगाह अलग-अलग डेडिकेटेड सेक्टर के अधीन होंगे। इस बदलाव का असर बिजली, कोयला, स्टील, पेट्रोलियम और नैचुरल गैस यूनिट पर पड़ेगा। सरकारी इमारतों, संग्रहालयों, स्मारकों, समुद्री बंदरगाहों और दिल्ली मेट्रो जैसी की सुरक्षा के लिए कुल 11 सेक्टर बनेंगे।



सीआईएसएफ का दावा- काम अलग तो सुरक्षा भी अलग हो

अब तक सीआईएसएफ के फील्ड और प्रशासनिक ठिकाने जोनल आधार पर बने थे। इस वजह से एक ही फील्ड फॉर्मेशन अलग-अलग क्षेत्रों में बनी औद्योगिक इकाईयों की सुरक्षा संभालता था। उदाहरण के लिए, किसी फील्ड फॉर्मेशन के पास बिजली और कोयला क्षेत्र की इकाइयों की जिम्मेदारी एक साथ होती थी। अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और एयरपोर्ट की सुरक्षा करने वाली सीआईएसएफ इकाइयां इसका अपवाद थीं। ये पहले से एक ही कमांड के तहत थीं। एजेंसी ने कहा कि इस बदलाव का मूल सिद्धांत यह है कि सुरक्षा केवल संपत्ति की जगह के आधार पर तय नहीं होनी चाहिए। यह भी देखना चाहिए कि संपत्ति क्या काम करती है और उसके प्रभावित होने का देश पर क्या असर पड़ेगा। इस बदलाव के तहत मुंबई मुख्यालय वाले सीआईएसएफ के वेस्टर्न सेक्टर का नाम बदलकर वेस्ट कोस्ट पोर्ट सेक्टर कर दिया गया है। चेन्नई स्थित सदर्न सेक्टर का नाम ईस्ट कोस्ट पोर्ट सेक्टर किया गया है। 2025 में केंद्र सरकार ने सीआईएसएफ को समुद्री बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए नोडल बल बनाया था। सरकार ने इस क्षेत्र के लिए रिकॉग्नाइज्ड सिक्योरिटी ऑर्गनाइजेशन के रूप में भी अधिकृत किया था। पिछले साल 2025 में केंद्र सरकार ने सीआईएसएफ को सभी समुद्री बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए नोडल फोर्स और मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन घोषित किया था।

बम-बम बाजार, अचानक लगाई महा छलांग

भारतीय शेयर बाजार में 1,233 अंक की बड़ी उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को जोरदार तेजी देखी गई। बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स 1,233.25 अंक यानी 1.66 फीसदी उछलकर 75,692.78 अंक पर बंद हुआ। इंडेक्स के 30 में से 23 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 11.64 फीसदी तक उछल गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी इसी तरह की चौतरफा लिवाली देखने को मिली। 50 शेयरों वाला यह सूचकांक 1.68 फीसदी की छलांग लगाकर 23,440.80 अंक पर बंद हुआ। इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का इजाफा हुआ। बाजार में इस ताबड़तोड़ तेजी के पीछे कई फैक्टर रहे। तेल की



कीमतों में इस दिन 3 फीसदी से ज्यादा की नरमी आई। ईरान-कतर के अधिकारियों के बीच लगातार तीसरे दिन बातचीत जारी है। इसका मकसद ईरान युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौते पर पहुंचना है। यह युद्ध इस साल फरवरी में शुरू हुआ था। तब से इसने एनर्जी मार्केट में हलचल मचा रखी है।

डॉलर के मुकाबले रुपए में आई मजबूती

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 94.88 पर खुला। पिछली क्लोजिंग 94.95 थी। सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी के अनुसार, त्योहारी सीजन से पहले कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट से आयात के मोर्चे पर कुछ राहत मिली है। इससे घरेलू करेंसी को सपोर्ट मिला है। एक अटकल से भी बाजार का सेंटीमेंट बेहतर हुआ है। वह यह कि कंपनी और वित्त मंत्रालय एफआईआई और संस्थागत निवेश को लुभाने के लिए टैक्स से जुड़े बदलाव या अन्य कदम उठा सकते हैं।

एमपी में शराब तस्करों ने टीआई को कुचला, मौत

- इंदौर-बैतूल हाईवे पर तस्करी रोकने गए थे टीआई दिलीप पुरी

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के देवास में अवैध शराब भरे वाहन (ट्रक) ने खातेगांव टीआई दिलीप पुरी को कुचल दिया। गंभीर रूप से



घायल पुरी को अस्पताल ले जाया गया। यहां करीब दो घंटे तक एसएचओ और इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुरी रविवार रात करीब डेढ़ बजे अवैध शराब की तस्करी की सूचना पर कार्रवाई करने टीम के साथ इंदौर-बैतूल हाईवे पहुंचे थे।

दिल्ली-एनसीआर में सिर्फ दो दिन जला सकेंगे पटाखे

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किए निर्देश, ग्रीन पटाखे की दी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में पटाखे जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है। शीर्ष अदालत ने 7 और 8 नवंबर को ग्रीन पटाखे जलाने की परमीशन दे दी है। हालांकि, इसके लिए समय की पाबंदी लागू रहेगी। इन दोनों दिनों में सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखे जलाए जा सकेंगे। 9 नवंबर से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में किसी भी तरह के पटाखे नहीं जलाए जा सकेंगे। अदालत के निर्देशों के मुताबिक, इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी।



पटाखे जलाने का समय किया तय

कोर्ट के आदेश के अनुसार, लोग केवल सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे जला सकेंगे। इसके अलावा अन्य किसी भी समय पटाखे जलाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिया है कि कुछ संस्थानों के 300 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का पटाखा नहीं जलाया जाएगा।

राहुल गांधी ने दिल्ली में घुसपैठिया बचाओ रैली की

- अमित शाह बोले-13 करोड़ वोट काटने का दावा झूठा



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह सोमवार को हैदराबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में शामिल हुए। यह कार्यक्रम इंडिया ब्लॉक के एसआईआर के खिलाफ चल रहे विरोध के जवाब में किया जा रहा है। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने घुसपैठिया बचाओ रैली की। वे कहते हैं, 13 करोड़ वोट काट दिए गए। वे झूठ बोल रहे हैं। 13 करोड़ में से सवा 6 करोड़ वोट ऐसे हैं, जो दूसरी जगह रहने चले गए। क्या ऐसे लोगों को दो वोट देने का अधिकार है। करीब 3 करोड़ लोगों की मृत्यु हो गई। कांग्रेस पार्टी बोगस वोटों चुनाव हथियाना चाहती है। बीजेपी का लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ देशव्यापी अभियान 22 अक्टूबर 2026 को शुरू हुआ था। पहला चरण 22 अक्टूबर से चला था।

नौसेना को मिलेंगे अगली पीढ़ी के 8 नए युद्धपोत

53,866 करोड़ रुपये होगा खर्च, रक्षा मंत्रालय ने किया करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए देश में आठ अत्याधुनिक अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोत बनाए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने इन युद्धपोतों के निर्माण और खरीद के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ कुल 53,866.50 करोड़ रुपए के करार किए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस करार को लेकर खुशी जाहिर की है। 2 नवंबर को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इन करारों पर हस्ताक्षर किए गए। इन अगली पीढ़ी के कॉर्वेट युद्धपोतों में आधुनिक मिसाइलों, हथियारों और सेंसर प्रणालियों से लैस अत्याधुनिक क्षमताएं होंगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि इन जहाजों के निर्माण से अगले दस वर्षों



में शिपयार्डों में लगभग 72 लाख पर्सन-डे और सहायक उद्योगों तथा नौसेना में 460 लाख 'पर्सन-डे' के बराबर रोजगार पैदा होगा।

भारतीय नौसेना को मिली ताकत

इन युद्धपोत की मदद से नौसेना हवा, समुद्र की सतह और समुद्र के भीतर मौजूद खतरों से निपट सकेगी। इन युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से उसकी अभियान क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। ये समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, दुश्मन के युद्धपोतों को निशाना बनाने और पनडुब्बियों का पता लगाकर उनसे मुकाबला करने जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में भूमिका निभाएंगे। ये युद्धपोत तटीय सुरक्षा मजबूत करने, समुद्र के किनारे उथले इलाकों में सैन्य अभियान चलाने और समुद्री क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने में भी मदद करेंगे। इनकी तैनाती से भारतीय नौसेना की समुद्र में मौजूदगी और निगरानी क्षमता को मजबूती मिलेगी। प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिए निर्माण कंपनियों का चयन किया गया है।

नौसेना तैयार करेगी युद्धपोतों का डिजाइन

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना के तहत कोलकाता स्थित जीआरएसई पांच युद्धपोतों का निर्माण करेगा। वहीं गोवा शिपयार्ड लिमिटेड भारतीय नौसेना के लिए तीन युद्धपोत बनाएगा। खास बात यह है कि इन सभी युद्धपोतों का डिजाइन भारतीय नौसेना खुद तैयार करेगी। इनका निर्माण देश के रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम करेंगे। इस परियोजना का फायदा केवल नौसेना की युद्धक क्षमता तक सीमित नहीं रहेगा। इससे देश के स्वदेशी जहाज निर्माण उद्योग को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। परियोजना में रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के साथ निजी शिपयार्ड, भारतीय औद्योगिक साझेदारों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भी भागीदारी होगी। इससे देश में जहाज निर्माण से जुड़े उद्योगों के बीच सहयोग और तकनीकी क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अगले 10 वर्षों में इस परियोजना से रोजगार के बड़े अवसर पैदा होने की उम्मीद है। युद्धपोतों के निर्माण से शिपयार्ड में लगभग 72 लाख पर्सन-डे का रोजगार मिलेगा।

एएपी छोड़ने वाले तीनों विधायक बीजेपी में शामिल

- बोले-पंजाब में फिरौती इंडस्ट्री बनी, गैंगस्टर सरकार में

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के 3 विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह



जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। बीजेपी जॉइन करने के बाद विधायक कुंवर ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर सरकार का हिस्सा बन गए हैं। फिरौती की इंडस्ट्री चल रही है। इन तीनों विधायकों ने पिछले 2 दिनों में एएपी से इस्तीफा दिया। रविवार को जौड़ामाजरा और पठानमाजरा के इस्तीफे के बाद सोमवार को कुंवर ने भी पार्टी छोड़ दी। कुंवर और पठानमाजरा ने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। कुंवर को जून 2025 में एएपी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 5 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

चारधाम में हेली सेवाओं पर ब्रेक, केदारनाथ शटल जारी रहेगी

11 ऑपरेटरों के विरोध के बाद फैसला, अगले सीजन में शुरू होंगी चार्टर उड़ानें, रिफंड होंगे रुपए

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम की चार्टर हेली सेवाओं पर पूरी तरह ब्रेक लग गया है। 11 हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों के दो पायलट अनिवार्य करने के नियम के विरोध के बाद यह फैसला लिया गया है। सोमवार को उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के बीच हुई बैठक में तय किया गया कि चार्टर हेली सेवाएं अब अगले सीजन में ही शुरू होंगी। हालांकि, केदारनाथ में शटल हेली सेवा जारी रहेगी। कंपनी के सीईओ प्रतीक जैन ने बताया कि इस सीजन में चार्टर हेली सेवाओं की ज्यादा बुकिंग नहीं हुई थी। जिन यात्रियों ने बुकिंग कराई थी, उन्हें पूरा पैसा रिफंड किया जाएगा।



हर उड़ान से पहले लेनी थी अनुमति

नए दिशा-निर्देशों में दो पायलटों की अनिवार्यता के अलावा उड़ान की अनुमति लेने की प्रक्रिया भी सख्त की गई थी। इसके तहत चार्टर हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों को उड़ान भरने से पहले सहस्रधारा में तैनात कंपनी के हेड ऑफ ऑपरेशंस से गंतव्य की मंजूरी लेनी थी। इसका उद्देश्य हेलीकॉप्टरों की आवाजाही पर निगरानी रखना और संचालन को प्रक्रिया के तहत सुनिश्चित करना था।

10 नवंबर बंद होंगे गंगोत्री के कपाट

केदारनाथ में सामान्य शटल हेली सेवाओं का संचालन जारी है। यहां कंपनी ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल का कंट्रोल रूम बनाया है। यहां से मौसम और उड़ानों की पल-पल की जानकारी के आधार पर हेलीकॉप्टरों को उड़ान की अनुमति दी जा रही है। हालांकि, नए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं होने के कारण लंबी दूरी की पर्सनल चार्टर सेवाएं बंद हैं। वहीं, गंगोत्री के कपाट 10 नवंबर, केदारनाथ और यमुनोत्री के 11 नवंबर, जबकि बद्रीनाथ के कपाट 16 नवंबर को बंद होंगे। इसके साथ ही चारों धामों में इस साल की ग्रीष्मकालीन यात्रा का समापन हो जाएगा। दरअसल, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने चार्टर हेलीकॉप्टर सेवाओं में दो पायलट अनिवार्य करने समेत कई नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये नियम 2 नवंबर से लागू होने थे।

बेंगलुरु-पुणे होगा देश का अगला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिए संकेत, जल्द मिलेगी अनुमति

बेंगलुरु (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु और मुंबई को जोड़ने वाली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसी के साथ, रेल मंत्री ने संकेत दिया कि प्रस्तावित बेंगलुरु-पुणे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर अगली उच्च गति रेल परियोजनाओं में शामिल हो सकता है। अन्य बुलेट परियोजनाएं भी शुरू की जानी हैं। उन्होंने कहा, भविष्य में बुलेट ट्रेन से बेंगलुरु से चेन्नई पहुंचने में सिर्फ 73 मिनट लगेंगे-एक घंटा 13 मिनट।



अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगी वंदे भारत एक्सप्रेस

उन्होंने बताया कि बेंगलुरु-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस अगले कुछ हफ्तों में शुरू की जाएगी। इस मार्ग पर विद्युतीकरण और परीक्षण का काम पूरा हो चुका है। आठ मोटर कार और चार ट्रेलर कार कोच समेत 16 कोच वाली बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाने के बाद ट्रेन की उद्घाटन विशेष सेवा बेंगलुरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) से रवाना हुई।

संक्षिप्त समाचार

ईडी अधिकारियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में FIR मामले में झारखंड सरकार पर हाई कोर्ट का 8 हजार का जुर्माना

रांची, एजेंसी। हाई कोर्ट के जस्टिस एके चौधरी की अदालत में ईडी अधिकारियों के खिलाफ एससी- एसटी एक्ट के तहत दर्ज प्राथमिकी को रद करने के मामले में सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार पर आठ हजार का हर्जाना लगाया। अदालत ने हर्जाने की राशि झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार(झालसा) के पास जमा करने का निर्देश दिया है। पिछली सुनवाई में भी हाई कोर्ट ने प्रतिवादी हेमंत सोरेन पर दस रुपये का हर्जाना लगाया था। मामले में अगली सुनवाई नौ दिसंबर को होगी। ईडी की ओर से एएसआजीई एसबी राजू, वरीय अधिवक्ता एके दास और सौरव कुमार ने पक्ष रखा। यह याचिका ईडी के तत्कालीन अधिकारियों कपिल राज, देवव्रत झा समेत अन्य की ओर से दाखिल की गई है। इसमें हेमंत सोरेन की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी को रद करने का आग्रह हाई कोर्ट से किया गया है। हेमंत सोरेन ने 31 जनवरी 2024 को रांची के एससी-एसटी थाने में ईडी के अधिकारियों कपिल राज, देवव्रत झा, अनुपम कुमार, अमन पटेल सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ईडी के अधिकारियों ने उन्हें 29 से 31 जनवरी 2024 तक रांची में रहने को कहा था। इसी दौरान उनकी अनुपस्थिति में दिल्ली स्थित उनके आवास पर बिना पूर्व सूचना के छापेमारी की गई। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि इस कार्रवाई से उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित किया गया। साथ ही केंद्रीय एजेंसी पर मीडिया के माध्यम से भ्रामक सूचनाएं फैलाकर उनकी छवि खराब करने का भी आरोप लगाया गया था। ईडी अधिकारियों ने प्राथमिकी को निराधार बताते हुए इसे रद करने को याचिका दायर की है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय देने का आग्रह किया था।

बारामुड़ी खटाल संचालकों को छठ पूजा तक मिली मोहलत, 19 नवंबर को अगली सुनवाई

धनबाद, एजेंसी। शहर के बारामुड़ी में दो दशक से खटाल चलाने वालों को धनबाद प्रशासन ने छठ पूजा तक के लिए राहत दी है। इस मामले में अब धनबाद के अंचलाधिकारी राम प्रवेश कुमार अगली सुनवाई 19 नवंबर को करेंगे। धनबाद जिला प्रशासन ने बारामुड़ी को खाली कराने की कार्रवाई शुरू की है। जबकि बारामुड़ी की जमीन पर खटाल वालों को धनबाद की तत्कालीन उपायुक्त डा. बीला राजेश ने ही बसाया था। अब वर्तमान उपायुक्त आदित्य रंजन खाली करवाने में जुटे हैं। इससे खटाल वालों में आक्रोश है बारामुड़ी खटाल को हटाने के मामले में सोमवार को अंचल कार्यालय में सैकड़ों लोग पहुंचे। लोगों ने अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार से छठ पूजा के बाद तक मोहलत देने का अनुरोध किया। इस पर अंचल अधिकारी ने अगली सुनवाई के लिए 19 नवंबर की तिथि निर्धारित की है। इस दिन सभी संबंधित लोगों को अपने जमीन के कागजात के साथ उपस्थित होकर पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार ने स्पष्ट कहा कि जिन लोगों के पास जमीन से संबंधित वैध कागजात नहीं हैं, उन्हें स्वत- अतिक्रमण वाली जमीन खाली करनी होगी। किसी भी कीमत पर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन की ओर से सभी संबंधित लोगों को कागजात प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है। इधर, बारामुड़ी खटाल को हटाने के मामले में राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है। खटाल के समर्थन में 4 नवंबर को पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव धनबाद पहुंचेंगे। वहीं, झारखंड सरकार के मंत्री संजय यादव भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोनों नेताओं का कार्यक्रम 4 नवंबर को सुबह 11 बजे मेमको मोड़ में निर्धारित है। कार्यक्रम बारामुड़ी खटाल बचाओ संघर्ष मोर्चा के बैनर तले होगा। लेकिन राजनीतिक सरगर्मी से बारामुड़ी खटाल का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई के साथ राजनीतिक रूप भी लेता जा रहा है। 19 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई में जमीन के कागजात और संबंधित पक्षों की दलीलों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

धनबाद में पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए ब्रांडिंग-मार्केटिंग पर जागरूकता कार्यक्रम

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद: बलियापुर प्रखंड कार्यालय में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों को अपने उत्पादों को आधुनिक बाजार के अनुकूल बनाने के लिए पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की जानकारी देना था।



● कार्यक्रम की मुख्य बातें:

- 18 पारंपरिक क्षेत्र शामिलः कारपेंटर, लोहार, सुनार, कुम्हार, दर्जी, मोची समेत 18 पारंपरिक विधाओं के कारीगर इस योजना से जुड़े हैं।

- तकनीकी प्रशिक्षणः एआई, ई-कॉमर्स और डिजिटल लेन-देन पर प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने उत्पाद मूल्य निर्धारण, लेबलिंग, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिक्री और डिजिटल कैटलॉगिंग के गुर बताए।

- ऋण और पंजीकरण की जानकारीः एलडीएम अमित कुमार ने रियायती ऋण योजना की जानकारी दी। जिला उद्योग केंद्र ने उद्यम पंजीकरण और सरकारी योजनाओं के बारे में बताया।

- डिजिटल पेमेंटः आईपीपीबी ने लाभार्थियों को मौके पर ही यूपीआई क्यूआर कोड बनाकर दिया ताकि वे डिजिटल भुगतान ले सकें। कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ प्रभाष चन्द्र दास, एलडीएम अमित कुमार, ब्लॉक प्रमुख पिंकी देवी और अन्य ने किया। बीडीओ ने कारीगरों को नई तकनीक अपनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में 130 से अधिक कारीगरों ने भाग लिया।

होम-टू-रोल विजिटः लातेहार में मिले 5 पात्र मतदाता जिनका नाम सूची में नहीं, CEO ने किया सत्यापन



दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

लातेहार: राज्य में कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे, इसके लिए पूरे झारखंड में 12 नवंबर तक होम-टू-रोल विजिट अभियान चल रहा है। पहले दिन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार चंदवा प्रखंड पहुंचे और घरों का भौतिक सत्यापन किया।

CEO ने राजकीय बालिका मध्य विद्यालय चंदवा (बूथ संख्या-328) और प्राथमिक विद्यालय जमीरा (बूथ संख्या-347) के अंतर्गत 12 घरों का निरीक्षण किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि अभियान का मकसद हर घर तक पहुंचकर 18 साल से अधिक उम्र के हर पात्र नागरिक को फॉर्म-6 के जरिए मतदाता सूची से जोड़ना है। उन्होंने BLO को निर्देश दिया कि घर-घर जाकर पात्र लोगों की पहचान करें और कोई भी अपात्र या विदेशी व्यक्ति सूची में न जुड़ने पाए। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की सहित अन्य अधिकारियों मौजूद थे।

● क्या मिला निरीक्षण में?

- बूथ संख्या-328 में 28 और 30 वर्ष की दो महिला सदस्यों का नाम मतदाता सूची में नहीं मिला।

- बूथ संख्या-347 में 18 से 20 साल के 3 युवाओं का नाम भी सूची में दर्ज नहीं था।

- इन सभी का फॉर्म-6 भी अब तक जमा नहीं हुआ था।

झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न समिति ने की धनबाद में समीक्षा, लंबित मामलों के निस्तारण का निर्देश

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद, 2 नवंबरः झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति ने धनबाद जिले का दौरा किया। परिसदन में समिति के सभापति सुरेश पासवान ने जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में विधानसभा में उठाए गए प्रश्नों, उनके अनुपालन की स्थिति, लंबित मामलों और अब तक की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा हुई।

सभापति सुरेश पासवान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि



विधानसभा में सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों को गंभीरता से लें और निर्धारित समय-सीमा में उनका निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े प्रश्नों का समयबद्ध क्रियान्वयन सरकार और प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में उठाए गए प्रश्न आम जनता की समस्याओं से जुड़े होते हैं, इसलिए विभागों को संवेदनशील और जवाबदेह रहना चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय से लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करें और प्रतिवेदनों में सही और अद्यतन जानकारी दें।

समिति ने पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता बनाए रखने तथा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

बलियापुर में पीएम विश्वकर्मा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम कारीगरों को बताया आर्थिक सशक्तिकरण का मंत्र

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/



बलियापुर (धनबाद): प्रखंड सभागार में पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत ब्रांडिंग और मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी और बीडीओ प्रभाष चन्द्र दास ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। कारीगरों को बताया गया कि बेहतर ब्रांडिंग और आधुनिक मार्केटिंग से वे अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचा कर आय बढ़ा सकते हैं। इस दौरान एमएसएमई विकास शाखा धनबाद की विशेषज्ञ टीम ने योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, टूलकिट प्रोत्साहन, डिजिटल लेनदेन इंसेंटिव और मार्केटिंग सपोर्ट की जानकारी दी और कारीगरों के सवालों का जवाब दिया। मौके पर प्रखंड प्रशासन के अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय कारीगर मौजूद रहे।

रांची समाहरणालय में साप्ताहिक जनता दरबार, DC ने सुनीं लोगों की फरियादें

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/



रांची : समाहरणालय में आज जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन हुआ। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने भूमि विवाद, पंजी-2 सुधार, दाखिल-खारिज, दखल-कब्जा, गैस सिलेंडर और सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़ी शिकायतें रखीं।

DC ने सभी अंचल अधिकारियों और BDO को निर्देश दिया कि आवेदनों का निष्पादन समय-सीमा में हो, लोगों को बार-बार कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनता के बीच की दूरी खत्म करना प्राथमिकता है और शिकायत का केवल आवेदन लेना नहीं, बल्कि वास्तविक समाधान करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

● दरबार की मुख्य बातें :

1. गैस सिलेंडर की समस्याः LPG कनेक्शन और सिलेंडर की कमी की शिकायत पर DC ने लोगों को तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर बाजार से 5 किलो का सिलेंडर लेने का सुझाव दिया और संबंधित अधिकारी को कार्रवाई का निर्देश दिया।

2. जमीन पर अवैध कब्जाः सोनाहातू में बाजार समिति की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत पर DC ने SDO को जमीन को संरक्षित करने का निर्देश दिया।

3. पेंशन भुगतानः इंदिरा गांधी पेंशन योजना की शिकायत पर DC ने बताया कि रांची जिले में लगभग 50 प्रतिशत लाभुकों के खाते में राशि भेजी जा चुकी है। बाकी लोगों के खाते में भी कुछ दिनों में तकनीकी बाधा दूर कर भुगतान कर दिया जाएगा।

दीपावली की आहट से घूमने लगे कुम्हारों के चाक, मिट्टी के दीये बनाने में जुटे परिवार



गढ़वा, एजेंसी। दीपावली के पर्व में अब गिने-चुने दिन ही शेष रह गए हैं। त्योहार नजदीक आते ही कुम्हारों के चाक की रफ्तार तेज हो गई है। घर-आंगन से लेकर काम करने की जगहों तक मिट्टी के दीये और बर्तन बनाने की हलचल बढ़ गई है। त्योहार पर अच्छी बिक्री की उम्मीद में कुम्हार समाज के लोग दूसरे काम छोड़कर पूरे परिवार के साथ दीये बनाने में जुट गए हैं। प्रखंड क्षेत्र के सुअरजंघा सहित रारो, लवाही और सोनेहरा गांवों में कई कुम्हार परिवार दीपावली के लिए दीये तैयार करने में लगे हुए हैं। परिवार के पुरुष सदस्य चाक पर मिट्टी को आकार देकर दीये बना रहे हैं, जबकि महिलाएं और बच्चे तैयार दीयों को धूप में सुखाने और उन्हें व्यवस्थित करने में सहयोग कर रहे हैं। मिट्टी लाने, उसे गूंथने से लेकर दीये तैयार करने और पकाने तक का काम परिवार के लोग मिलकर कर रहे हैं। कारीगरों की कोशिश है कि दीपावली से पहले पर्याप्त संख्या में दीये तैयार कर बाजार तक पहुंचाए जा सकें। हालांकि, पिछले दो दिनों में हुई बारिश से कुम्हारों की तैयारी कुछ प्रभावित हुई है। बारिश के कारण मिट्टी के तैयार दीयों को धूप में सुखाने में परेशानी हुई है। इससे दीये पकाने का काम भी प्रभावित हुआ है। कुम्हारों का कहना है कि यदि मौसम साफ रहा और पर्याप्त धूप निकली तो दीपावली से पहले सभी दीये तैयार कर लिए जाएंगे। फिलहाल मौसम अनुकूल होने की उम्मीद में कारीगर तेजी से अपना काम पूरा करने में जुटे हैं। सालभर की मेहनत पर त्योहार की बिक्री से टिकी रहती है उम्मीद कुम्हारों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में लोगों की पसंद और त्योहार मनाने के तौर-तरीकों में काफी बदलाव आया है। पहले दीपावली पर घरों, आंगनों और दरवाजों पर मिट्टी के दीये जलाना परंपरा का अहम हिस्सा हुआ करता था। उस समय मिट्टी के दीयों के साथ-साथ अन्य बर्तनों की भी अच्छी मांग रहती थी। त्योहार के दौरान होने वाली बिक्री से परिवारों को अच्छी आमदनी होती थी और उनकी सालभर की मेहनत का फल मिल जाता था। लेकिन अब लोग मोमबत्तियों और रंग-बिरंगी इलेक्ट्रिक लाइटों से घरों को सजाने लगे हैं। इससे मिट्टी के दीयों की मांग और कुम्हारों की कमाई प्रभावित हुई है। कुम्हारों के अनुसार, इलेक्ट्रिक लाइटों और मोमबत्तियों का चलन बढ़ने के बावजूद मिट्टी के दीयों की अपनी अलग पहचान और धार्मिक महत्ता है। दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा आज भी कायम है।

कभी गड्ढों में अटकता था रामगढ़ का सफर, अब गांवों से हाईवे तक कनेक्टिविटी की नई तैयारी



रामगढ़, एजेंसी। 15 नवंबर 2000 को झारखंड के गठन के समय रामगढ़ हजारीबाग जिले का हिस्सा था। तब गांवों से शहर तक धूल भरी, गड्ढों वाली कच्ची-पक्की सड़कें थीं और रांची-पटना का एनएच-33 जर्जर दो लेन मार्ग था। 12 सितंबर 2007 को रामगढ़ जिला बना और इसके बाद सड़क नेटवर्क में बदलाव शुरू हुआ। पिछले 25 वर्षों में जिले की लाइफलाइन एनएच-20 (पुराना एनएच-33) और एनएच-23 रहे हैं। वर्ष 2015 में 73.8 किमी हजारीबाग-रांची फोरलेन का निर्माण सड़क विकास का अहम पड़ाव बना। इसमें रामगढ़ और कुजू बाईपास शामिल थे। इससे रांची से रामगढ़ का सफर दो घंटे से घटकर एक घंटे रह गया। रांची-पटना मार्ग पर पटेल चौक जैसे ब्लैक स्पाट पर 24.14 करोड़ रुपये की लागत से छह लेन का अंडरपास बनाया गया है, ताकि हादसों पर अंकुश लगे। कोरिया घाटी, कुजू से पटेल चौक तक पुराने एनएच-33 के 14 किमी दो लेन मार्ग को 277 करोड़ रुपये से फोरलेन हाईवे में बदला जा रहा है। वहीं, पटेल चौक से सांडी तक 13 किमी सड़क को करीब 274 करोड़ रुपये से फोरलेन करने का प्रस्ताव है। वर्ष 2000 में रामगढ़ के 40 प्रतिशत से ज्यादा गांव बरसात में कट जाते थे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से पतरातू, मांडू, दुलमी, गोला और चितरपुर के दूरस्थ टोले बारहमासी सड़कों से जुड़े। नयामोड़-चितरपुर-सांडी-रजरप्पा रोड जैसी सड़कें खनन क्षेत्रों और तीर्थस्थलों को जोड़ रही हैं। भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत ओरमांझी (रांची) से गोला होते हुए जैनामोड़ (बोकारो) तक 60 किमी फोरलेन एक्सप्रेसवे 2,224 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। इसमें हाथियों के लिए पांच अंडरपास-फ्लाईओवर शामिल हैं। इससे रामगढ़ को कोयला क्षेत्र और राजधानी से सीधा जुड़ाव मिलेगा। **स्मार्ट कनेक्टिविटी पर केंद्रित है सड़क निर्माण** अगले 25 वर्षों की योजना सड़क निर्माण के साथ स्मार्ट कनेक्टिविटी पर केंद्रित है। केंद्र ने 2024 में पीएमजीएसवाई-4 को मंजूरी दी गई है। इसके तहत जनगणना 2011 के आधार पर 100 से अधिक आबादी वाले एनडब्लूई प्रभावित टोलों को भी जोड़ा जाएगा। रामगढ़ के नक्सल प्रभावित बड़का गांव और गिद्दी के टोले भी इसमें शामिल होंगे। एनएच-20 और एनएच-23 को छह लेन, एक्सेस कंट्रोल और लाजिस्टिक हब के रूप में विकसित करने की योजना है। रामगढ़ शहर में थाना चौक, नेहरू रोड और छावनी क्षेत्र की सड़कों का चौड़ीकरण तथा नो-पार्किंग जोन बनाकर जाम मुक्त शहर का लक्ष्य है। भविष्य में गांवों की सड़कें नेशनल हाईवे, रेलवे स्टेशन और मंडी से जोड़ी जाएंगी। ड्रोन सर्वे, ग्रीन रोड टेक्नोलॉजी और महिला स्वयं सहायता समूहों के जरिए सड़क रखरखाव कर 'गांव से हाईवे तक 30 मिनट' का मॉडल विकसित करने की योजना है।

शहरों में फ्लाईओवर, हर जिले तक फोरलेन

रांची 15 नवंबर 2000 को जब नया-नया झारखंड राज्य अस्तित्व में आया था, तब यहां की भौगोलिक और सड़क संरचना की स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण थी। एक दौर था जब टाटानगर से बनारस जाने वाले भारी ट्रकों के पहिये बुंडू के आगे सांप की तरह रपटीली और खतरनाक तैमारा घाटी की चढ़ाई पर थम जाया करते थे। ट्रकों को निकालने के लिए स्थानीय युवाओं का सहारा लेना पड़ता था और घंटो जाम की स्थिति बनी रहती थी। लेकिन, अलग राज्य बनने के बाद बीते 26 वर्षों में झारखंड ने सड़क बुनियादी ढांचा के क्षेत्र में एक लंबी छलांग लगाई है। बाबूलाल मरांडी से लेकर वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार तक, हर कार्यकाल में सड़कों के विकास को प्राथमिकता दी गई। आज तैमारा घाटी का वह खतरनाक रास्ता फोरलेन में बदल चुका है, जहां वाहन फर्राटा भरते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग के मामले में आज झारखंड की भागीदारी राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर हो चुकी है। 1606 किमी से बढ़कर 4470 किमी हुआ नेशनल हाइवे राज्य गठन के समय (वर्ष 2000) में झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई मात्र 1,606 किलोमीटर थी। साल 2014 तक यह बढ़कर 2,968 किलोमीटर हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की हालिया समीक्षा बैठकों के अनुसार, वर्ष 2026 तक झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार (निर्माणाधीन और स्वीकृत परियोजनाओं को मिलाकर) 4,470 किलोमीटर तक पहुंच चुका है। वर्तमान में झारखंड में 30 से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग सक्रिय हैं, जिनमें



एनएच 19, एनएच 22, एनएच 33 और एनएच 39 जैसे मार्ग बेहद व्यस्त और महत्वपूर्ण माने जाते हैं। पिछले दो दशकों में औसतन 83 से 84 किलोमीटर प्रति वर्ष की रफ्तार से एनएच का निर्माण हुआ है। बेहतर सड़क घनत्व- झारखंड में प्रति 1,000 वर्ग किलोमीटर पर राष्ट्रीय राजमार्ग का घनत्व लगभग 43.91 किमी है, जो देश के राष्ट्रीय औसत (लगभग 40.20 किमी) से काफी बेहतर है। कुल सड़क नेटवर्क- राज्य गठन के समय कुल सड़क घनत्व मात्र 67 किमी प्रति 1000 वर्ग किमी था, जो अब तीन गुना से अधिक बढ़कर 187 किमी प्रति 1000 वर्ग किमी को पार कर चुका है। पथ निर्माण विभाग की कुल सड़कों की लंबाई 5,400 किमी से बढ़कर 14,973 किमी से अधिक हो गई है। वहीं, ग्रामीण विकास (पीएमजीएसवाई) और जिला परिषदों की सड़कों को मिला लें तो कुल सड़क संजाल 83,000 किलोमीटर से ऊपर पहुंच चुका है। सड़कों की गुणवत्ता और वर्तमान श्रेणी राज्य में विभिन्न श्रेणियों के सड़क नेटवर्क की स्थिति निम्नलिखित है- सिंगल लेन- 1,009 किमी इंटरमीडिएट लेन- 6,660 किमी टू-लेन- 4,559 किमी फोर लेन- 177 किमी सिक्स लेन- 61 किमी ये प्रोजेक्ट बदल देंगे सूबे की सूरत झारखंड में कई ऐसी मेगा सड़क परियोजनाएं स्वीकृत अथवा निर्माणाधीन हैं, जिनके पूरा होने के बाद राज्य की आर्थिक और परिवहन तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी- वाराणसी-रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड कॉरिडोर (6-लेन)- झारखंड में इस सड़क की कुल लंबाई 238 किमी तय की गई है। चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, रांची और बोकारो से गुजरते हुए यह पुरूलिया की ओर बढ़ेगी। इसके बनने से रांची से वाराणसी की यात्रा का समय आधा रह जाएगा। औद्योगिक गलियारे- रांची-पटना और रायपुर-धनबाद मार्ग के जरिए प्रमुख औद्योगिक शहरों को सीधे जोड़ने की परियोजनाएं तेजी से प्रगति पर हैं। शहरी बुनियादी ढांचे- राजधानी रांची में सिरमटोली फ्लाईओवर, इनर रिंग रोड का चरणबद्ध निर्माण, जमशेदपुर का स्वर्णरेखा एलिवेटेड कॉरिडोर और दुमका में मयूराक्षी नदी पर बना 2.34 किमी लंबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन सेतु आधुनिक विकास के नए प्रतीक हैं।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार के कार्यालय परिसर पर बम से हमला, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

रांची- रामगढ़ उच्च पथ पर चकला मोड़ के समीप एक पत्रकार के आवासीय कार्यालय परिसर को निशाना बनाकर बमबाजी किए जाने का मामला सामने आया है. घटना 1 नवंबर की रात करीब 11:45 बजे की है. आरोप है कि अज्ञात कार सवारों ने परिसर में 5-6 सुतली बम फेंके. इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गयी और परिसर में धुएं का गुबार फैल गया. घटनास्थल पर विस्फोट के अवशेष भी मिले हैं. **सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना** पत्रकार मुकेश भारतीय के अनुसार, घटना के समय वह ओरमांजी स्थित अपने कार्यालय में मौजूद थे. परिसर में थार और स्कूटी भी खड़ी थी. बताया गया है कि पूरी घटना आवासीय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है. फुटेज में सड़क पर एक कार और घटनास्थल से उठता धुआं दिखाई दे रहा है. थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग घटना के बाद पत्रकार मुकेश भारतीय ने 2 नवंबर को ओरमांझी थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने, घटनास्थल का निरीक्षण कराने और फॉरेंसिक जांच कराने का अनुरोध किया है. इसके अलावा उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान करने, अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है.

डायन बताकर महिला को प्रताड़ित किया तो खैर नहीं! पलामू पुलिस ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

छतरपुर , एजेंसी। डायन-बिसाही जैसी कुरीति के नाम पर महिलाओं को प्रताड़ित करने, अपमानित करने और झाड़-फूंक के बहाने नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है. इसको लेकर पलामू पुलिस की ओर से जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस लोगों को जागरूक करते हुए स्पष्ट कर रही है कि डायन-बिसाही कोई सच्चाई नहीं, बल्कि अंधविश्वास है. इसके नाम पर किसी महिला को प्रताड़ित करना कानूनन अपराध है. डायन बताने से लेकर प्रताड़ना तक पर सजा का प्रावधान झारखंड डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम, 2001 के तहत अलग-अलग अपराधों के लिए सजा और जुर्माने का प्रावधान किया गया है. अधिनियम की धारा तीन के तहत किसी व्यक्ति को डायन बताने या उसकी पहचान इस रूप में करने पर तीन महीने तक की कैद, एक हजार रुपये तक जुर्माना या दोनों हो सकते हैं. वहीं, धारा चार के तहत किसी महिला को डायन बताकर शारीरिक या मानसिक प्रताड़ना देने पर छह महीने तक की कैद अथवा दो हजार रुपये तक जुर्माना या दोनों का प्रावधान है. झाड़-फूंक के नाम पर नुकसान पहुंचाने पर भी होगी कार्रवाई अधिनियम की धारा पांच के तहत किसी व्यक्ति को डायन बताने के लिए उकसाने या इसमें सहयोग करने पर तीन महीने तक की सजा और एक हजार रुपये तक जुर्माना हो सकता है. इसी तरह धारा छह के तहत झाड़-फूंक या टोटका के नाम पर इलाज के बहाने किसी को नुकसान पहुंचाने पर एक वर्ष तक की कैद, दो हजार रुपये तक जुर्माना या दोनों हो सकते हैं. अधिनियम की धारा सात के तहत इन अपराधों को संज्ञेय एवं गैर-जमानतीय बताया गया है. छतरपुर थाना प्रभारी ने की अंधविश्वास से बचने की अपील छतरपुर थाना प्रभारी सौरभ चौबे ने कहा कि डायन-बिसाही के नाम पर किसी महिला को प्रताड़ित करना, उसके साथ दुर्व्यवहार करना या सामाजिक रूप से अपमानित करना गंभीर अपराध है. लोगों को ऐसी अफवाहों और अंधविश्वास से बचना चाहिए. उन्होंने कहा कि किसी भी महिला के साथ इस तरह की घटना होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें. दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी. थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अंधविश्वास के बजाय शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा दें तथा ऐसी कुरीतियों को समाप्त करने में पुलिस का सहयोग करें.

डॉ. प्रदीप वर्मा बने झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष, गेतलसूद-सिकिदिरी में जश्न

अनगड़ा , एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा के झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन का अध्यक्ष बनने पर गेतलसूद और सिकिदिरी के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है. इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे जैलेन्द्र कुमार ने कहा कि डॉ. प्रदीप वर्मा के अध्यक्ष बनने से पिछले दो दशक से अधिक समय से शिथिल पड़े फुटबॉल संघ को नई गति मिलने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि इससे राज्य में फुटबॉल के आधारभूत ढांचे के विकास को बढ़ावा मिलेगा. साथ ही झारखंड के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के बेहतर अवसर मिल सकते हैं. खेल प्रेमियों ने जताई खुशी, दी बधाई स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि डॉ. वर्मा के नेतृत्व में झारखंड में फुटबॉल को नई पहचान मिलेगी और खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा.

झारखंड के इस मेले में युवक-युवतियां चुनते हैं जीवनसाथी, हजारों की उमड़ी भीड़

पतरातू(रामगढ़) , एजेंसी। रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड के सुदूरवर्ती बटुका गांव में रविवार को परंपरा, संस्कृति और सामाजिक मेल-मिलाप का अनूठा संगम देखने को मिला. यहां आयोजित ऐतिहासिक जीवन जोड़ी कार्तिक मेला धूमधाम और उत्साह के साथ संपन्न हुआ. मेले में रामगढ़, हजारीबाग, रांची और चतरा जिले से हजारों की संख्या में महिला-पुरुष और युवक-युवतियां शामिल हुए. सुबह से ही मेले में लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था. देखते ही देखते पूरा मेला परिसर लोगों की भीड़ से गुलजार हो उठा. जीवनसाथी चुनने की अनोखी परंपरा है मेले की पहचान इस मेले की खास पहचान केवल मनोरंजन और खरीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक रिश्तों को जोड़ने और विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए जीवनसाथी चुनने का भी एक पारंपरिक मंच माना जाता है. मेले के दौरान कई युवक-युवतियों ने एक-दूसरे को पसंद किया और परिजनों की सहमति से विवाह के रिश्ते तय किए गए. इस परंपरा ने मेले के ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व को एक बार फिर जीवंत कर दिया. नागपुरी गीत-संगीत पर रातभर झूमे दर्शक मेले के अवसर पर आयोजित नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम ने उत्सव की रौनक में चार चांद लगा दिए. कार्यक्रम का शुभारंभ नागपुरी गीतों के प्रसिद्ध गायक इगनेश कुमार ने अपनी शानदार प्रस्तुति से किया. इसके बाद



नारायण नायक, अभिनाश नायक, सरिता बड़ाईक और रिमपल कुमारी सहित अन्य कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नागपुरी गीत और नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया.

वहीं, बुडमु से आए नचनी द का पारंपरिक नृत्य कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा. उनकी प्रस्तुति देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. पारंपरिक नृत्य और नागपुरी गीतों की धुन पर युवा ही नहीं, बल्कि बुजुर्ग और महिलाएं भी झूमते नजर आए. कलाकारों की शानदार प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया. विधायक रोशन लाल चौधरी हुए शामिल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी शामिल हुए. वहीं पूर्व विधायक योगेंद्र साव सहित क्षेत्र के जिला पार्षद राजाराम प्रजापति, पूर्व जिला पार्षद मनोज राम, मुखिया किशोर कुमार महतो और कई जनप्रतिनिधियों ने भी मेले में पहुंचकर आयोजन की रौनक बढ़ाई. अतिथियों की मौजूदगी में मेला समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया. सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है मेला बटुका का जीवन जोड़ी कार्तिक मेला वर्षों से क्षेत्र की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान के रूप में जाना जाता है. यह मेला अलग-अलग जिलों के लोगों को एक मंच पर लाने के साथ आपसी मेल-जोल, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है. विशेष रूप से युवक-युवतियों के विवाह संबंध तय होने की परंपरा इस मेले को अन्य मेलों से अलग पहचान देती है. समिति के पदाधिकारी-सदस्यों ने निभायी महत्वपूर्ण भूमिका मेले के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष मान सिंह, सचिव दौलत सिंह, कोषाध्यक्ष महेश सिंह एवं मुनेश्वर ठाकुर, उपाध्यक्ष गुजर गंझू, बिनोद मांझी, भरत मांझी एवं राजेन्द्र गंझू, सह सचिव चन्द्रदेव सिंह, रामेश्वर सिंह, विजय ठाकुर एवं शुभम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

श्रीकांत एस. खोटरे के निर्देश पर सभी थानों में चौकीदार परेड, विधि-व्यवस्था पर हुई चर्चा



सिमडेगा , एजेंसी। जिले में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को सभी थाना एवं ओपी में चौकीदार परेड का आयोजन किया गया. पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे के निर्देश पर आयोजित इस परेड में चौकीदारों की उपस्थिति दर्ज की गई. साथ ही उनके कार्यों और दायित्वों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. **संदिग्धों और असामाजिक तत्वों पर रखें नजर** परेड के दौरान चौकीदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण करने और असामाजिक तत्वों, संदिग्ध व्यक्तियों तथा आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया. पुलिस ने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपराधिक घटना की जानकारी तत्काल संबंधित थाना या ओपी को दें. इसके अलावा क्षेत्र में आयोजित होने वाले सामाजिक, धार्मिक और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की सूचना समय पर पुलिस को उपलब्ध कराने को कहा गया. विधि-व्यवस्था से जुड़ी संभावित समस्याओं की पूर्व जानकारी देने के साथ चोरी, मारपीट, आपसी विवाद और अवैध गतिविधियों की सूचना बिना देरी किए पुलिस तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया. **पुलिस और जनता के बीच समन्वय बनाने की जिम्मेदारी** चौकीदारों को ग्रामीण क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने, आम लोगों को कानून के प्रति जागरूक करने तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई. पुलिस प्रशासन ने कहा कि अपराध नियंत्रण और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में चौकीदारों की भूमिका महत्वपूर्ण है. इसलिए सभी चौकीदार पूरी निष्ठा, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें.

पढ़ाई के साथ घूमना और सीखना भी, पीएम श्री स्कूल खंडामौदा के 40 छात्र भुवनेश्वर के लिए रवाना



बरसोल , एजेंसी। पीएम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय, खंडामौदा के 40 छात्र-छात्राओं का दल सोमवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए भुवनेश्वर रवाना हुआ. इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव देना और उन्हें विभिन्न शैक्षणिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों से परिचित कराना है. भ्रमण दल के साथ विद्यालय की शिक्षिका उषा बक्सला और शिक्षक हरिहर माइती भी मार्गदर्शक के रूप में शामिल हुए हैं. दोनों शिक्षक पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों की देखरेख करेंगे और उन्हें विभिन्न स्थलों के महत्व की जानकारी देंगे. विद्यालय परिवार के अनुसार, शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. इससे बच्चों को कक्षा की पढ़ाई से बाहर निकलकर नई जगहों को देखने, समझने और उनसे सीखने का अवसर मिलता है. ऐसे अनुभव विद्यार्थियों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास, आपसी सहयोग और सामाजिक समझ विकसित करने में भी मददगार होते हैं. विद्यालय प्रबंधन को उम्मीद है कि यह यात्रा विद्यार्थियों के लिए यादगार साबित होगी और उनके ज्ञान के साथ अनुभवों को भी समृद्ध करेगी.

कोवाली में स्कूली बच्चों से भरा टेंपो पलटा, ओवरलोडिंग ने चार मासूमों की जिंदगी खतरे में



जमशेदपुर , एजेंसी। सोमवार की सुबह जमशेदपुर के कोवाली थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. हल्दीपोखर मुस्लिम बस्ती से छात्र-छात्राओं को लेकर विद्या भारती इंग्लिश स्कूल, हाता जा रहा एक टेंपो मुबारक बस्ती के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया. इस दर्दनाक हादसे में चार मासूम छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए.

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई. बच्चों की रोने की आवाजें सुनकर स्थानीय ग्रामीण तुरंत मसीहा बनकर दौड़े. ग्रामीणों ने अपनी जान की परवाह किये बिना तत्परता दिखाई और पलटे हुए टेंपो के नीचे दबे बच्चों को बाहर निकाला. गनीमत रही कि समय रहते उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचा दिया गया, जहां सभी की हालत अब स्थिर बताई जा रही है.

इस घटना ने एक बार फिर हमारी व्यवस्था की लापरवाही को बेनकाब कर दिया है. शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि उस छोटे से टेंपो में क्षमता से अधिक बच्चों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया था. चंद पैसों की लालच और अनदेखी ने इन नौनिहालों की जान को दांव पर लगा दिया था. क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा का मोल सिर्फ ओवरलोडिंग तक सीमित रह गया है? इस हादसे ने अभिभावकों के दिलों को झकझोर कर रख दिया है और स्कूल वाहनों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने की बैठक

हुसैनाबाद , एजेंसी। मेदिनीनगर में 4 नवंबर को आयोजित होने वाली भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा की तैयारी को लेकर हुसैनाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक हुई. बैठक पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह के आवासीय परिसर स्थित कार्यालय में आयोजित की गयी. इसमें कार्यक्रम की तैयारियों और अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गयी. साथ ही पदयात्रा को सफल बनाने के लिए रणनीति तय की गयी. बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजीव रंजन ने की, जबकि संचालन योगेंद्र सिंह ने किया. **संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने पर दिया जोर** बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और उनकी गरिमा बनाए रखने में निहित है. उन्होंने कहा कि चुनाव में हार-जीत लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन राजनीतिक विफलताओं के लिए संवैधानिक संस्थाओं को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है. उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव आयोग पर सवाल उठाने के बजाय पार्टी को अपनी चुनावी हार के कारणों पर आत्ममंथन करना चाहिए. कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने वर्ष 2025 में पदभार ग्रहण किया है, जबकि कांग्रेस की चुनावी हार का सिलसिला इससे पहले से जारी है. ऐसे में चुनावी पराजय के लिए संवैधानिक संस्थाओं को जिम्मेदार ठहराना तर्कसंगत नहीं है. **शिवाजी मैदान से समाहरणालय तक**



निकलेगी पदयात्रा पूर्व मंत्री ने कहा कि 4 नवंबर को आयोजित पदयात्रा लोकतंत्र की मर्यादा, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी. उन्होंने हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलों और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर बड़ी संख्या में मेदिनीनगर पहुंचने की अपील की. उन्होंने बताया कि पदयात्रा शिवाजी मैदान से शुरू होकर समाहरणालय तक जाएगी. इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया. **बैठक में ये कार्यकर्ता रहे मौजूद** बैठक में रामप्रवेश सिंह, अजीत सिंह, संतोष सिंह, सोमेश सिंह, पवन अग्रवाल, योगेंद्र सिंह, अखिलेश मेहता, विनय पासवान, हंसराज सिंह, राजू सिंह, राजकुमार मेहता, रंजीत पासवान, सुधीर सिंह, उदय विश्वकर्मा, श्रवण अग्रवाल, विनोद पांडेय, नागेंद्र सिंह, सुबोध कश्यप, विजय राजवंशी, संजय सिंह, वीरेंद्र सिंह, अनिल सिंह, रुद्रा सिंह, विमलेश सिंह, अशोक सिंह, मनान खान, विकास पासवान, हरि सिंह, रवींद्र कानस्कर, दिलीप पाल, सतीश मेहता, रवि रंजन सिंह, अमित पाठक, दीपक सिंह, अंकु सिंह, राहुल सिंह, पिंटू सिंह, प्रभात सिंह, अनुज गुप्ता, दुर्गा शर्मा, लल्लू यादव, ज्याऊदिन खान, कृष्ण सिंह, उमेश सिंह, अजय सिंह, भगत सिंह, अप्पू सिंह, राम प्यारे राम, महेंद्र राम, अकबर अली खान, मनोज सिंह, पप्पू पासवान, भजन, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, शशि मिश्रा और प्रमोद प्रजापति समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

हुसैनाबाद में किसानों को मिला मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण, जानें क्या हैं इसके फायदे

हुसैनाबाद , एजेंसी। झारखंड सरकार की उद्यान विकास योजना के तहत हुसैनाबाद प्रखंड की डांडिला पंचायत सचिवालय में मधुमक्खी पालन को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसका आयोजन बिहार के भागलपुर स्थित कामख्या ईंट की ओर से किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन वार्ड सदस्य चिंता देवी, उद्यान मित्र कृष्णा बैठा और प्रशिक्षक अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. प्रशिक्षण में 12 लोगों ने भाग लिया. प्रशिक्षक अनिल कुमार ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने इसके तरीके, प्रक्रिया और पालन से जुड़ी जरूरी बातों के बारे में बताया, ताकि लोग इस गतिविधि को



अपनाकर अपनी आजीविका के अवसर बढ़ा सकें. **छोटे और भूमिहीन किसानों के लिए लाभकारी है मधुमक्खी पालन** मौके पर उद्यान मित्र कृष्णा बैठा ने कहा कि मधुमक्खी पालन योजना छोटे और भूमिहीन किसान-मजदूरों के लिए महत्वपूर्ण है. इससे कई तरह के फायदे मिलते हैं. उन्होंने बताया कि मधुमक्खियों के कारण फसलों के परागण में मदद मिलती है, जिससे उत्पादन में भी वृद्धि हो सकती है. उनके अनुसार, मधुमक्खी पालन केंद्र के आसपास एक किलोमीटर की परिधि में संभावित कृषि उत्पादन में 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है. उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन से केवल शहद और मोम ही प्राप्त नहीं होता, बल्कि इनका उपयोग औषधि निर्माण में भी किया जाता है. इससे किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा हो सकते हैं. प्रशिक्षण में ये लोग हुए शामिल प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरयू बैठा, प्रभात कुमार, मोहन यादव, नेपुरी देवी, संजय यादव, संतोष यादव, रूपन यादव, कमलेश कुमार, धर्मेंद्र रजक, रामजी यादव, रीमा देवी, पप्पू रजक और शंभू राम सहित अन्य लोग मौजूद थे.

झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में निदेशक की कुर्सी पर असमंजस बरकरार, कब होगा फैसला

रांची, एजेंसी। झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में निदेशक के पद को लेकर असमंजस की स्थिति अब भी बनी हुई है. प्रभारी निदेशक डॉ डीके सिन्हा के सेवानिवृत्त होने के बाद भी विभाग की ओर से अब तक नए प्रभारी निदेशक की नियुक्ति नहीं की गई है. वहीं, सेवानिवृत्ति के बाद डॉ सिन्हा भी आधिकारिक रूप से निदेशक की कुर्सी पर नहीं बैठ रहे हैं. ऐसे में संस्थान के प्रशासनिक नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है. **वरीय चिकित्सक को क्यों नहीं मिला प्रभार** रिम्स की नियमावली के अनुसार, निदेशक के सेवानिवृत्त होने की स्थिति में उनके बाद संस्थान के वरीय चिकित्सक को निदेशक का प्रभार सौंपा जाना चाहिए. इस लिहाज से डीन डॉ राजीव मिश्रा को प्रभारी निदेशक की जिम्मेदारी दी जा सकती है. इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक उन्हें प्रभार सौंपने संबंधी कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है. विभाग की इस चुप्पी से निदेशक पद को लेकर असमंजस और गहरा गया है. **सोमवार को कार्यालय पहुंचे डॉ सिन्हा, कुर्सी पर नहीं बैठे** इधर, सोमवार को डॉ डीके सिन्हा रिम्स स्थित अपने कार्यालय पहुंचे. हालांकि, उन्होंने निदेशक की कुर्सी पर बैठने से परहेज किया. कुछ देर कार्यालय में रहने के बाद वह स्वास्थ्य विभाग के लिए रवाना हो गए. उनके विभाग जाने को लेकर यह कयास लगाया जा रहा है कि वह निदेशक पद की मौजूदा स्थिति स्पष्ट करने और आगे की प्रक्रिया को लेकर विभागीय अधिकारियों से बातचीत करने पहुंचे हैं. हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आयी है. **नियमावली के अनुसार प्रभार देने की उठ रही मांग** रिम्स में निदेशक का पद संस्थान के प्रशासनिक और शैक्षणिक संचालन के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है. ऐसे में लंबे समय तक इस पद को लेकर असमंजस बने रहने से प्रशासनिक कामकाज पर भी असर पड़ने की आशंका है. संस्थान की नियमावली के अनुरूप वरीय चिकित्सक को प्रभार सौंपने की प्रक्रिया पूरी करने की जरूरत बतायी जा रही है. **स्वास्थ्य विभाग कब लेगा फैसला** अब सबकी नजर स्वास्थ्य विभाग के अगले कदम पर टिकी है. विभाग डॉ डीके सिन्हा की सेवानिवृत्ति के बाद की स्थिति पर क्या निर्णय लेता है और क्या डॉ राजीव मिश्रा को प्रभारी निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा. फिलहाल रिम्स में निदेशक की कुर्सी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है.

संक्षिप्त समाचार

हावड़ा-अमृतसर एक्सप्रेस के टॉयलेट के पास मिले 36 कछुए, चीन भेजने की थी तैयारी; पटना में खुला तस्करी का खेल



खगौल , एजेंसी। रेल मार्ग से वन्यजीवों की तस्करी का मामला सामने आया है। हावड़ा-अमृतसर एक्सप्रेस की सामान्य बोगी में तलाशी के दौरान जीआरपी ने 36 कछुए बरामद किए। इनमें पांच मृत पाए गए। कछुओं को थैले में भरकर शौचालय के पास रखा गया था। इस दौरान संदिग्ध तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। जीआरपी की टीम ने नेऊरा स्टेशन के पास ट्रेन की जांच के दौरान लावारिस थैले से कछुओं को बरामद किया। ट्रेन के दानापुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर सभी कछुओं को जीआरपी कार्यालय लाया गया। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी गई।वन विभाग के स्पेशल पीपी रामाकांत तिवारी ने बताया कि कछुओं की तस्करी करना अपराध है। उनके अनुसार, कछुओं को उत्तर प्रदेश के अमेठी-सुल्तानपुर क्षेत्र से पकड़कर बंगाल के रास्ते चीन भेजे जाने की बात सामने आई है। वहां इनका इस्तेमाल औषधि बनाने और बुलेटप्रूफ जैकेट तैयार करने में किए जाने की जानकारी दी गई। बरामद कछुओं का वजन लगभग 20 से 25 किलो बताया गया है। सभी कछुओं को सीजीएम के समक्ष पेश करने के बाद सुरक्षित प्राकृतिक आवास में छोड़ने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। जीआरपी फरार तस्करों की पहचान करने में जुटी है।

मधुबनी के पसटन गांव के युवक को गले में मारी गोली, हालत गंभीर

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी में अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली उसके गले में लगी और शरीर को पार करते हुए बाहर निकल गई। गंभीर रूप से घायल युवक को स्वजन देर रात करीब तीन बजे सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

पसटन गांव का रहने वाला है युवक-घायल की पहचान अंधराठाढ़ी थाना क्षेत्र के पसटन गांव निवासी शिवम कुमार साहू (26) के रूप में हुई है। वह श्रवण कुमार साहू का पुत्र है।गले में लगी गोली, शरीर के पार निकली

बताया जा रहा है कि युवक के गले में गोली लगी है, जो शरीर को पार करते हुए बाहर निकल गई। गोली लगने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद स्वजन आनन-फानन में उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे।

पुलिस कर रही मामले की जांच-सदर अस्पताल, मधुबनी में युवक का इलाज जारी है। इधर, घटना को लेकर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पिता के संस्कार और मां के हौसले से कंचन ने भरी उड़ान, दारोगा बन बेटियों के लिए बनीं मिसाल

बेतिया, एजेंसी। नगर के पीयूनी बाग की रहने वाली कंचन बाला श्री ने मेहनत और दृढ़ संकल्प के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है. गणित विषय में एमएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पुलिस सेवा में जाने का लक्ष्य तय किया और वर्ष 2022 में बिहार पुलिस में दारोगा के पद पर चयनित हुई. वर्तमान में वे बक्सर जिले में अपनी सेवाएं दे रही हैं. उनकी सफलता उन बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत कर रही हैं.

आठ भाई-बहनों में सबसे छोटी कंचन ने हासिल किया मुकाम-कंचन



बाला श्री आठ भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं. उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा संत टेरेसा गर्ल्स हाई स्कूल से पूरी की. इसके बाद पटना साइंस कॉलेज से गणित विषय में एमएससी की डिग्री हासिल की. उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने पुलिस सेवा में जाने का निर्णय लिया. लगातार मेहनत और तैयारी के दम पर वर्ष 2022 में बिहार पुलिस में दारोगा के पद पर उनका चयन हुआ. फिलहाल वे बक्सर जिले में पुलिस सेवा की जिम्मेदारी निभा रही हैं.

पिता के संस्कार और मां के प्रोत्साहन ने बढ़ाया हौसला-कंचन अपनी सफलता का श्रेय अपने स्वर्गीय पिता रामचंद्र राही के संस्कारों और मां जयश्री देवी के निरंतर प्रोत्साहन को देती हैं. उनके पिता शिक्षक थे. उन्होंने बच्चों की शिक्षा में कभी बेटा और बेटी के बीच अंतर नहीं किया. कंचन के अनुसार, परिवार का विश्वास और सहयोग बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाता है. परिवार से मिले इसी संबल ने उन्हें अपने लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ने का हौसला दिया.

बेटियों को दिया सपने पूरे करने का संदेश-कंचन का मानना है कि बेटियों की क्षमता का आकलन उनके लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी मेहनत और प्रतिभा के आधार पर होना चाहिए. वह दूसरी लड़कियों को संदेश देती हैं कि सामाजिक बंदिशों और मुश्किल परिस्थितियों से घबराकर अपने सपनों को अधूरा न छोड़ें. दृढ़ इच्छाशक्ति और लक्ष्य पाने का जुनून हो, तो किसी भी मुकाम तक पहुंचा जा सकता है.

125 यूनिट मुफ्त बिजली छोड़ दें, ध्रुव सम्राट चौधरी ने इन परिवारों से की अपील, बताया कहां खर्च होगी बची रकम

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के संपन्न बिजली उपभोक्ताओं से एक खास अपील की है. उन्होंने कहा है कि आर्थिक रूप से सक्षम लोग चाहें तो हर महीने मिलने वाली 125 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा छोड़ सकते हैं. मुख्यमंत्री ने ऐसे उपभोक्ताओं से सब्सिडी के बराबर राशि सरकार को दान करने का भी आग्रह किया है. उनका कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल बिहार की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में किया जा सकता है.

पटना पुस्तक मेले में किताबों के साथ स्वाद और सिनेमा का संगम, 350 कार्यक्रम; 200 स्टॉल पर मिलेंगी देशभर की किताबें

पटना, एजेंसी। किताबों के शौकीनों के लिए दिसंबर में पटना का गांधी मैदान एक बार फिर साहित्य और संस्कृति के बड़े उत्सव का गवाह बनेगा। सेंटर फॉर रीडरशिप डेवलपमेंट (सीआरडी) की ओर से आयोजित 42वां पटना पुस्तक मेला 4 से 15 दिसंबर 2026 तक चलेगा।

इस बार मेले में किताबों के साथ सिनेमा, कला, कविता, खानपान, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े 350 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारत के तीन बड़े पुस्तक मेलों में शामिल पटना पुस्तक मेला इस बार भी नए प्रयोगों और विशेष आयोजनों के साथ पाठकों के बीच पहुंचेगा।

मेले के अध्यक्ष और चर्चित साहित्यकार रत्नेश्वर ने बताया कि इस वर्ष का पुस्तक मेला बिहार गीत के रचयिता लोककवि सत्यनारायण को समर्पित होगा।

200 स्टॉल पर देशभर के प्रकाशकों की किताबें

इस बार पुस्तक मेले में करीब 200 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें प्रभात प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, वाणी प्रकाशन, ज्ञानपीठ, उपकार प्रकाशन, हिन्द युग्म, साहित्य अकादमी, एनसीपीयूएल, रेख्ता फाउंडेशन और अन्य प्रमुख प्रकाशक शामिल होंगे।



पाठकों को साहित्य, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, बाल साहित्य और विभिन्न विषयों की किताबें एक ही जगह उपलब्ध होंगी। पुस्तक मेले का उद्देश्य केवल किताबों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि आम लोगों में पढ़ने की आदत विकसित करना और साहित्य को नई पीढ़ी से जोड़ना भी है।

युवाओं के लिए चिट्ठियों से लेकर यूथ पोडियम तक खास आयोजन-इस बार युवाओं को ध्यान में रखकर कई विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। चिट्ठियां कार्यक्रम में ऐसी चिट्ठियां पढ़ी जाएंगी, जिन्हें लोग लिख तो गए, लेकिन भूल नहीं पाए। डॉ. विमलेन्दु कुछ चर्चित चिट्ठियों को सुनाएंगे। वहीं, शहर के युवा अपनी लिखी या अपने जीवन पर असर डालने वाली चिट्ठियां साझा करेंगे।

डॉ. वरुण के संयोजन में यूथ पोडियम आयोजित होगा। इसमें राजनीति, कला, साहित्य और संस्कृति समेत बदलते सामाजिक परिवेश में युवाओं की भूमिका और उनकी चुनौतियों पर चर्चा होगी। देश-दुनिया के मुद्दों पर युवाओं को अपनी बात रखने का मंच मिलेगा।

कविता-कहानी लिखने वाले युवाओं को मिलेगा पुरस्कार-उत्कर्ष आनंद के संयोजन में शब्दांकुर कार्यक्रम होगा। इसमें युवा अपनी कविता, कहानी और व्यंग्य रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। चुने गए रचनाकार को शब्दांकुर पुरस्कार दिया जाएगा। चयन के लिए तीन निर्णायक मंडल के सदस्य होंगे और दर्शकों की राय भी शामिल की जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक दिन काव्यकथा कार्यक्रम आयोजित होगा। जयप्रकाश के संयोजन में देश के चर्चित कवि और कथाकार अपनी रचनाएं सुनाएंगे। पुस्तक मेले में भव्य कवि सम्मेलन भी होगा, जिसमें कई प्रमुख कवि हिस्सा लेंगे।

बिहार के व्यंजनों के साथ चाय और किताबों का भी मिलेगा आनंद -इस बार स्वाद विहार पुस्तक मेले का खास आकर्षण होगा।

नीतीश को असंभव लगता था 10 लाख नौकरी का वादा, तेजस्वी ने अब खोला बड़ा राज; 1.30 लाख बहाली की फाइल भी थी तैयार!

पटना, एजेंसी। राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार और युवाओं के हित में अपने कार्यकाल को अब तक की सरकारों से बेहतर बताया है। महागठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री रहते हुए किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने अपनी उपलब्धियां गिनाईं। मंगलवार को जारी बयान में तेजस्वी ने दो नवंबर 2023 को गांधी मैदान में हुए नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि उस दिन एक साथ 1,20,336 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए थे। उनके अनुसार, इतने बड़े पैमाने पर सरकारी नियुक्ति पत्र वितरण का यह देश का पहला आयोजन था। तेजस्वी ने अपने बयान में कविता की कुछ पंक्तियां भी साझा कीं। उन्होंने लिखा, 'मैं गरुड़ कृष्ण मै पक्षिराज, सिर पर ना चाहिए मुझे ताज! रण-खेत पाटना है मुझको, अहिपाश काटना है मुझको! 10 लाख सरकारी नौकरी के वादे को बताया अपना लक्ष्य तेजस्वी यादव ने कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद की सरकार बनने पर उन्होंने वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर 10 लाख पक्की सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस वादे को असंभव बताया था और सवाल उठाया था कि वेतन के लिए पैसा कहां से आएगा। उन्होंने कहा कि उस समय न्यूज चैनलों पर भी लगातार यह चर्चा होती थी कि बिहार में इतनी बड़ी संख्या में सरकारी नौकरियां देना संभव नहीं है। तेजस्वी के मुताबिक, 2020 में सत्ता से दूर रहने के बावजूद उनके मन में युवाओं से किया गया वादा बना रहा। 2022 में सरकार बनने के बाद नौकरी पर किया फोकस तेजस्वी ने कहा कि 2022 में राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं और नीतीश कुमार ने भाजपा से अलग होकर महागठबंधन के साथ सरकार बनाई। उस दौरान उनका मुख्य ध्यान युवाओं को 10 लाख नौकरी देने के वादे को पूरा करने पर था। उन्होंने दावा किया कि इसी शर्त पर महागठबंधन को समर्थन दिया गया था। सरकार बनने के बाद उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालते ही उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। TRE-1 और TRE-2 के जरिए तीन लाख से अधिक शिक्षकों की बहाली तेजस्वी यादव ने बताया कि महागठबंधन सरकार बनने के कुछ ही महीनों के भीतर शिक्षक भर्ती परीक्षा ञ्जक्ष्र-1 और ञ्जक्ष्र-2 का

बिहार में भ्रष्ट अफसरों पर एक्शन का सच, लंबी जांच, धीमी सुनवाई और छोटी सजा

पटना, एजेंसी। अधिकारियों पर लगे भ्रष्टाचार, वित्तीय गड़बड़ियों और मनमानेपन के गंभीर आरोपों की फाइलें किस तरह लाल फीताशाही का शिकार होती हैं, इसकी बानगी हालिया मामलों से साफ झलकती है. वित्तीय नुकसान से लेकर मारपीट और घोटालों के इन मामलों में कहीं पांच साल तो कहीं दस साल बाद जाकर हल्की-फुल्की सजा दी जा रही है, तो कई मामलों में जांच कमेटियों के गठन में ही महीनों और सालों बीत जा रहे हैं. 5 साल बाद सिर्फ एक इंक्रीमेंट रुका पटना के तत्कालीन डीटीओ अजय कुमार ठाकुर पर बीएस थ्री और बीएस फोर के 547 वाहनों की बैक डेट में एंट्री कर अवैध रजिस्ट्रेशन का आरोप था, जिससे राजस्व को भारी नुकसान हुआ.

प्रकाश पर्व में पटना साहिब आने वाले सिख संगतों के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेन, दो माह में 30 करोड़ से बदलेगी स्टेशन की सूरत

पटना, एजेंसी। श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए पंजाब, दिल्ली और दूसरे राज्यों से पटना आने वाली सिख संगतों को विशेष ट्रेन की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी. प्रकाश पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे की ओर से तैयारी की जा रही है. हालांकि, विशेष ट्रेनों की संख्या, समय-सारिणी और परिचालन की तारीखों की जानकारी अभी नहीं दी गयी है.

दो माह में पूरा होगा पटना साहिब स्टेशन का सौंदर्याकरण-दानापुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनोद कुमार ने अधिकारियों के साथ पटना साहिब स्टेशन का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि स्टेशन के सौंदर्याकरण का काम दो माह में पूरा करा लिया जाएगा. प्रकाश पर्व को देखते हुए स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाएं बेहतर बनाने और परिसर को



व्यवस्थित करने पर जोर दिया जा रहा है.

30 करोड़ रुपये से स्टेशन का होगा जीर्णोद्धार-निरीक्षण के दौरान साथ रहे विधायक रतनेश कुमार ने कहा कि पटना साहिब रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार 30 करोड़ रुपये की राशि से किया जाएगा. इस परियोजना के तहत स्टेशन की सुविधाओं और व्यवस्था को बेहतर बनाने की योजना है, ताकि प्रकाश पर्व के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं को सहूलियत मिल सके.

वेटिंग हॉल बड़ा करने और एस्केलेटर लगाने की योजना-डीआरएम ने स्टेशन पर मानक के अनुरूप यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. उन्होंने वेटिंग हॉल का आकार बढ़ाने और यात्रियों की सुविधा के लिए एस्केलेटर लगाने की योजना का भी उल्लेख किया. इसके अलावा निरीक्षण के दौरान बतायी गयी अन्य सुविधाओं को दिसंबर तक साकार करने की बात कही गयी. हालांकि, एस्केलेटर और अन्य कार्यों की विस्तृत समय-सारिणी की जानकारी उपलब्ध नहीं करायी गयी है.

निरीक्षण में रेल मंडल के अधिकारी रहे मौजूद-पटना साहिब स्टेशन के निरीक्षण के दौरान दानापुर रेल मंडल के अधिकारियों के साथ स्टेशन प्रबंधक उपेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे. निरीक्षण में स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और प्रस्तावित सुधार कार्यों की जानकारी ली गयी. प्रकाश पर्व से पहले काम पूरा होने पर श्रद्धालुओं को स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है.

बिहार में पेंशनभोगियों के लिए 30 नवंबर तक चलेगा महा-अभियान, अब घर बैठे बनेगा लाइफ सर्टिफिकेट



पटना, एजेंसी। बिहार के लाखों पेंशनभोगियों के लिए राहत की खबर है. अब जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए उन्हें बैंक या सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे. केंद्र सरकार नवंबर में पांचवां राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान चलाने जा रही है. इसके तहत बिहार के अलग-अलग जिलों और शहरों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे. यह अभियान 1 से 30 नवंबर तक चलेगा. इसमें बुजुर्गों और चलने-फिरने में असमर्थ पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की सुविधा मिलेगी. जरूरत पड़ने पर उनके घर जाकर भी प्रमाणपत्र तैयार किया जाएगा. इससे उन लोगों को खास राहत मिलेगी, जिन्हें उम्र या बीमारी के कारण बाहर आने-जाने में परेशानी होती है. मोबाइल से चेहरे की पहचान कर बनेगा प्रमाणपत्र डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाने के लिए अब पेंशनभोगियों को लंबी प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा. वे एंड्रॉयड और आईओएस मोबाइल फोन की मदद से भी अपना प्रमाणपत्र तैयार कर सकेंगे. इसके लिए फेस ऑथेंटिकेशन यानी चेहरे की पहचान तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. इस प्रक्रिया में मोबाइल के कैमरे से पेंशनभोगी के चेहरे की पहचान की जाएगी. पहचान की पुष्टि होने के बाद डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र तैयार हो सकेगा. इसके लिए हर बार बैंक या पेंशन कार्यालय जाना जरूरी नहीं होगा.

तानों को झेला, अभावों से लड़ी; अब मेडल से चमक रही पटना की सुमन

पटना, एजेंसी। सपने बड़े हों तो रास्ते की मुश्किलें भी इम्तिहान लेने लगती हैं। कभी समाज के ताने, कभी आर्थिक तंगी और कभी संसाधनों का अभाव। मोकामा घाट की सुमन कुमारी ने इन सभी चुनौतियों का सामना करते हुए कबड्डी के मैदान में अपनी अलग पहचान बनाई है। जिस खेल को अपनाने के लिए उसे कभी रिश्तेदार, मोहल्ले के लोगों की उपेक्षा और कटाक्ष झेलने पड़े, उसी खेल में आज वह बिहार का गौरव बन चुकी हैं। तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकीं सुमन की उपलब्धि के पीछे वर्षों का संघर्ष, माता-पिता का अटूट विश्वास और कोच की अथक साधना है। मोकामाघाट के वार्ड संख्या-27 निवासी मिठाई दुकानदार अरुण कुमार और पूनम देवी के घर दो बेटों सूरज और सुमित के बाद सुमन का जन्म हुआ। परिवार के लिए वह बेहद लाडली थीं। हालांकि, कबड्डी खेलने की उसकी इच्छा ने सामाजिक सोच की संकीर्णता से सामना कराया। बेटी के



खेल मैदान में उतरने पर कुछ लोग कहते थे घर के काम में लड़कियों को मन लगाना चाहिए। खेल कूद से जीवन नहीं बनता है। आर्थिक स्थिति भी ऐसी नहीं थी कि खेल से जुड़ी हर जरूरत आसानी से पूरी हो सके। मिठाई की दुकान से होने वाली सीमित आमदनी में परिवार की जिम्मेदारियां निभाना आसान नहीं था। इसके बावजूद पिता ने बेटी के हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। मां ने भी हर कदम पर उसका मनोबल बढ़ाया। लोगों की बातों को अनसुना कर माता-पिता ने सुमन को आगे बढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी।

कोच की परख और मेहनत ने संवारा हुनर - मैदान में कोच मोहम्मद इलियास ने उनकी प्रतिभा को शुरुआती दौर में ही पहचान लिया। करीब दो दशक के अनुभव वाले कोच ने अनुशासन और कठिन प्रशिक्षण से उनके खेल को निखारा। सुमन ने भी हर चुनौती को अभ्यास के जरिए जवाब दिया। कोच के मार्गदर्शन में उनकी तकनीक, फुर्ती और खेल की समझ लगातार बेहतर होती गई।

सहेली की प्रेरणा से शुरू हुआ सफर-सुमन के जीवन में निर्णायक मोड़ बचपन की सहेली सानिया की सलाह से आया। पचमहला निवासी सानिया ने एक निजी स्कूल के प्रांगण में खेल के प्रति सुमन की रुचि देखी और उसे कबड्डी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

शहाबुद्दीन के खिलाफ एक्शन से देशभर में हुए थे चर्चित, अब बिहार में संभालेंगे शिक्षा विभाग; जानिए कौन हैं सीके अनिल

पटना, एजेंसी। बिहार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सीके अनिल एक बार फिर चर्चा में हैं। करीब 21 साल पहले सीवान में बाहुबली नेता और पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सुर्खियां बटोरने वाले सीके अनिल को अब शिक्षा विभाग की अहम जिम्मेदारी मिली है।

बिहार का अपर मुख्य सचिव बनाए जाने के बाद उन्होंने अपनी पहली समीक्षा बैठक के लिए उसी सीवान जिले को चुना, जहां कभी उनके प्रशासनिक फैसले ने पूरे देश का ध्यान खींचा था।

सीके अनिल की नई जिम्मेदारी के साथ ही उनके पुराने प्रशासनिक कार्यकाल की भी चर्चा शुरू हो गई है। अब उनके सामने बिहार की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, स्कूलों की बुनियादी सुविधाएं सुधारने और पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने की चुनौती होगी।

2005 में शहाबुद्दीन के ठिकानों पर छापेमारी से आए थे चर्चा मेंसीवान के जिलाधिकारी रहते हुए सीके अनिल ने 24 अप्रैल 2005 को बड़ी कार्रवाई की थी।



जिला प्रशासन और स्पेशल टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के पैतृक गांव प्रतापपुर में छापेमारी की थी। इस अभियान में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रत्न संजय भी शामिल थे।

प्रशासनिक टीम ने शहाबुद्दीन के घर सहित करीब 11 ठिकानों पर तलाशी ली थी। इस दौरान हथियार, कारतूस, नाइट विजन उपकरण, वायरलेस सेट और बुलेटप्रूफ जैकेट समेत कई सामान बरामद किए गए थे। इस कार्रवाई ने उस समय बिहार की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में काफी हलचल मचा दी थी।

शहाबुद्दीन के सीवान प्रवेश पर भी लगाया था प्रतिबंध-सीके अनिल ने जिलाधिकारी रहते हुए शहाबुद्दीन के सीवान जिले में प्रवेश पर छह महीने का प्रतिबंध लगाने का आदेश भी दिया था। हालांकि बाद में सारण प्रमंडल के आयुक्त ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था। प्रतापपुर में हुई छापेमारी और शहाबुद्दीन के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सीके अनिल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उस दौर में उनकी प्रशासनिक सख्ती की खूब चर्चा हुई थी।

कौन हैं सीके अनिल, तीन दशक से ज्यादा का प्रशासनिक अनुभव-सीके अनिल का पूरा नाम चंद्रकांत कुमार अनिल है। वह बिहार कैडर के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। प्रशासनिक सेवा में उनकी शुरुआती तैनाती रोहतास में अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में हुई थी। इसके बाद उन्होंने बोकारो में एसडीओ और देवघर में उप विकास आयुक्त के तौर पर काम किया।वह चतरा और सीवान के जिलाधिकारी भी रह चुके हैं।

बिहार के 22 जिलों में बालू-गाद का होगा सर्वे, ड्रोन और सैटेलाइट से पता चलेगी असली मात्रा, फिर होगी नीलामी

पटना, एजेंसी। बिहार में बाढ़ के बाद नदियों और आसपास के इलाकों में जमा बालू और गाद का अब वैज्ञानिक तरीके से आकलन किया जाएगा. इसके लिए राज्य के 22 बाढ़ प्रभावित जिलों में सर्वे कराया जाएगा. खान एवं भूतत्व विभाग सर्वे में सामने आने वाली बालू और गाद की वास्तविक मात्रा के आधार पर नीलामी की योजना तैयार करेगा. इस प्रक्रिया में सिर्फ बालू और गाद की मात्रा ही नहीं मापी जाएगी. उनकी गुणवत्ता, जमाव की मोटाई और प्रकृति का भी पता लगाया जाएगा. इसके लिए आधुनिक तकनीक के साथ भूगोल और जल विज्ञान के विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी. स्थानीय परिस्थितियों और नदी के प्रवाह का भी अध्ययन होगा.

बालू और गाद की नीलामी से बढ़ेगा राजस्व-बिहार में सड़क, पुल, भवन और दूसरी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण तेजी से हो रहा है. इन कार्यों में बालू की बड़ी जरूरत पड़ती है. ऐसे में नदियों के किनारे जमा बालू का वैज्ञानिक आकलन कर उसके उपयोग और नीलामी की व्यवस्था की जाएगी. सरकार का मानना है कि इससे राजस्व के नए स्रोत बनेंगे. साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं. हालांकि, बालू का उठाव नदी की प्राकृतिक संरचना और पर्यावरण को ध्यान में रखकर ही किया जाएगा. सर्वे में नदी के बहाव और भौगोलिक स्थिति का भी अध्ययन किया जाएगा.

गाद से ईंट बनाने का रास्ता तलाशेगा विभाग-बाढ़ के बाद खेतों, नदी किनारे और निचले इलाकों में बड़ी मात्रा में गाद जमा हो जाती है. कई जगहों पर यह स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है. अब इस गाद की उपयोगिता का भी आकलन किया जाएगा. गाद की नीलामी से ईंट निर्माण से जुड़े कारोबारियों को कच्चा माल मिल सकता है. हालांकि, इसका इस्तेमाल करने से पहले गुणवत्ता की जांच जरूरी होगी. मिट्टी की संरचना, चिकनाई, नमी और अन्य तकनीकी पहलुओं के आधार पर तय होगा कि गाद ईंट बनाने के लिए कितनी उपयोगी है.

ड्रोन और सैटेलाइट से तैयार होगा ३ष्ठ मॉडल सर्वे के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. नदी के किनारों, दियारा क्षेत्रों और बहाव वाले इलाकों की ड्रोन से तस्वीरें ली जाएंगी. हाई-रिजॉल्यूशन कैमरों की मदद से एरियल लिडार और फोटोग्रामेट्री तकनीक का इस्तेमाल होगा.

इससे ३ष्ठ डिजिटल एलिवेशन मॉडल तैयार किया जाएगा. इसके जरिए पता चलेगा कि किस जगह बालू या गाद की परत कितनी मोटी है.

संक्षिप्त समाचार

अखरी गांव में एकल विद्यालय वनयात्रा, बच्चों संग मनाई दिवाली

वाराणसी, एजेंसी। भारत लोक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित एकल विद्यालय ग्राम अखरी में रविवार को वनयात्रा का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण बच्चों को शिक्षा और संस्कारों से जोड़ना था। कार्यक्रम की शुरुआत में भारत लोक शिक्षा परिषद, वाराणसी के सचिव राजेश भाटिया ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने एकल विद्यालय अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। भाटिया ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण समाज में शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य और स्वावलंबन को बढ़ावा देता है। मुख्य अतिथि सी. ए. जमुना शुक्ला ने कहा कि सक्षम व्यक्ति का छोटा सहयोग भी बच्चे के जीवन में शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य ला सकता है। प्रशांत अग्रवाल, निदेशक डोनर्स रिलेशन ने एकल विद्यालय के उद्देश्यों की जानकारी दी। बच्चों ने स्वागत गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों को पठन-पाठन सामग्री वितरित की गई। साथ ही उन्हें उपहार और मिठाइयां भी दी गईं। कार्यक्रम के अंत में प्रमोद जायसवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया

दिवाली से पहले निगम नाथ धाम की तर्ज पर लगाएगा लाइट

बरेली , एजेंसी। नगर निगम ने दिवाली से पहले गांधी उद्यान से आदिनाथ चौक होते हुए धर्मकांटा तक नई लाइटें लगाने का काम शुरू कर दिया है। ये लाइटें खंभे के साथ नाथ कॉरिडोर धाम की थीम पर ओम लिखी सूर्य आकार की होंगी। प्रकाश विभाग 15वें वित्त के तहत 5.97 करोड़ रुपये की लागत से 252 लाइटें लगाएगा। प्रत्येक लाइट और खंभे के सेट पर 2.37 लाख रुपये खर्च होंगे। अधिकारियों के अनुसार, करीब छह साल पहले लगी 60 फीसदी पुरानी लाइटें खराब हो चुकी हैं। मरम्मत के लिए सामान न मिलने के कारण निगम ने इन्हें बदलने का निर्णय लिया। सितंबर में इसके लिए टेंडर जारी किया गया था। मेयर उमेश गौतम ने बताया कि नाथ नगरी की थीम पर लाइटें लगाई जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि दिवाली से पहले कुछ स्थानों पर इन्हें स्थापित कर दिया जाएगा।

गांवों में एक ही छत के नीचे मिलेंगी 50 सेवाएं

बरेली , एजेंसी। जिले की 199 ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिवालयों में बनी डिजिटल लाइब्रेरियों को जेनजी समेत सभी ग्रामीणों के लिए सुविधाएक बनाने की कवायद है। अब एक ही छत के नीचे 50 तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रत्येक लाइब्रेरी में शैक्षिक सामग्री के अलावा सरकारी सेवाओं से जुड़ी जानकारी, आवेदन आदि सुविधाएं दी जाएंगी। जिला पंचायती राज अधिकारी ने पंचायत सचिवालय पर ग्राम पंचायत अधिकारी और पंचायत सहायक की मौजूदगी अनिवार्य कर दी है। वहां लेखपाल, बीसी सखी और रोजगार सेवक भी बैठते हैं। जिला पंचायती राज अधिकारी कमल किशोर ने बताया कि जन्म-मृत्यु, निवास और आय प्रमाणपत्र बनवाना हो, खसरा खतौनी निकलवानी हो या अन्य समस्या हो, अब ग्रामीणों को भटकना नहीं पड़ेगा।

बाजारों में बड़े वाहनों की एंट्री बंद, नगर निगम हटाएगा अतिक्रमण

बरेली , एजेंसी। त्योहारी सीजन में बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ और जाम की समस्या से निपटने के लिए यातायात पुलिस और नगर निगम ने कमर कस ली है। यातायात को नियंत्रित करने के लिए डायवर्जन प्लान तैयार किया जा रहा है। इसके तहत शहर के प्रमुख बाजारों में बड़े और तीन पहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। वहीं आपातकालीन वाहनों की बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अतिक्रमण को भी हटवाया जाएगा। एसपी ट्रैफिक अकमल खान ने बताया कि धनतेरस और दिवाली पर सिविल लाइंस, कुतुबखाना, बड़ा बाजार, साहूकारा और आलमगिरीगंज जैसे मुख्य बाजारों में भीड़ जुटती है। इस भीड़ को संभालने के लिए धनतेरस से पहले ही ट्रैफिक डायवर्जन लागू कर दिया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत कोतवाली से कुतुबखाना, किला से कुतुबखाना, कोहड़ापीर के नीचे से और आलमगिरीगंज की ओर जाने वाले मार्गों पर चार पहिया और तीन पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। सिर्फ दोपहिया वाहन चालकों को ही अंदर आने की अनुमति दी जाएगी। नगर निगम ने भी बाजारों से अतिक्रमण हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। अतिक्रमण हटाओ दस्ता प्रभारी मयंक यादव ने बताया कि कुतुबखाना से कोतवाली मार्ग पर अभियान चलाकर सड़क किनारे लगने वाले ठेले और फड़ हटाए जाएंगे, ताकि यातायात व्यवस्था सुगम हो सके और खरीदारी करने आने वाले आम लोगों को जाम से राहत मिल सके। कुतुबखाना के आसपास सड़क पर ही अतिक्रमण करके बाजार सजा लिया गया है। इससे दिनभर वहां जाम लगा रहता है। इस बार ऐसा न हो, इसके लिए तैयारी की जा रही है।

समितियों पर खाद के लिए लाइन, निजी दुकानों में सन्नाटा

आगरा आगरा। सहकारी समितियों से करीब ढाई गुना ज्यादा उर्वरक का निजी दुकानों में भंडार है। इसके बाद भी किसान समितियों की लाइनों में लग रहे हैं। वे प्राइवेट दुकानों में नहीं पहुंच रहे हैं। जबकि दोनों जगह डीएपी व अन्य उर्वरकों को मूल्य समान है। इन दिनों रबी की आलू और सरसों की बुआई चल रही है। किसानों के बीच उर्वरक की बड़ी मांग है। तीन दिन हड़ताल के कारण समितियों के बंद रहने से किसान परेशान हो गए थे। अब वह समितियों पर खाद की लंबी लाइनों में लग रहे हैं। निजी दुकानों में सन्नाटा पसरा है। जिले में सहकारिता विभाग की 96 सहकारी समिति और 600 से अधिक निजी उर्वरक की दुकानें हैं। समितियों में चार हजार मीट्रिक टन डीएपी, एनपीके और अन्य उर्वरक उपलब्ध है। वहीं समितियों से करीब ढाई गुना अधिक 10 हजार मीट्रिक टन डीएपी और एनपीके दुकानों में उपलब्ध है।

जिले में बढ़ रही 700 से 900 ग्राम के नवजातों की संख्या

अलीगढ़ , एजेंसी। मोहनलाल गौतम जिला महिला चिकित्सालय में इन दिनों बेहद कम वजन के बच्चों का जन्म मां-बाप और डॉक्टरों की चिंता बढ़ा रहा है। इस अस्पताल में एक महीने में लगभग 950 प्रसव हो रहे हैं, जिसमें 150 ऑपरेशन से हो रहे हैं। तकरीबन 95 फीसदी महिलाएं प्री मैच्योर (समय से पहले) बच्चों को जन्म दे रही हैं। इनमें से कई बच्चों का वजन मात्र 700 से 900 ग्राम तक ही रहता है।

चिकित्सकों के अनुसार, जिले में हर वर्ष लगभग एक लाख पांच हजार बच्चों का जन्म होता है। इनमें से करीब 21,000 बच्चे कम वजन के पैदा हो रहे हैं। कम वजन वाले बच्चों की संख्या लगभग 20 फीसदी तक पहुंच चुकी है। मोहनलाल गौतम जिला महिला चिकित्सालय के सी-पेप यूनिट में इन दिनों ऐसे पांच बच्चे उपचाराधीन हैं। इनके मां-बाप दिन-रात उनकी जान बचने की प्रार्थना करते रहते हैं। देखभाल में पूरी ताकत लगा रहे हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय में भी हाल ही में 700 ग्राम वजन का बच्चा भर्ती था, जिसे अब छुट्टी मिल चुकी है। इस बच्चे का जन्म मलखान सिंह जिला अस्पताल में हुआ था। हालात बिगड़ने पर यहां भर्ती कराया गया था। इस अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में इन बच्चों के लिए छह छोटे बेड हैं। जिसमें इस वक्त



हाथरस से आए 1200 ग्राम, हरदुआगंज से आए 1300 ग्राम, क्वार्सी से आए 1300 ग्राम और अकराबाद से आए 1600 ग्राम के नवजात भर्ती हैं। दो अन्य कम वजन के बच्चों का यहां उपचार चल रहा है।

ऐसे बच्चों को सांस लेने में बड़ी परेशानी होती है क्योंकि कम वजन के कारण उनके फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं होते। इनकी देखभाल महिला अस्पताल की सी-पेप (कंटीन्यूअस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर) यूनिट में की जा रही है ताकि उन्हें बचाया जा सके। सीपेप यूनिट एक जीवन रक्षक प्रणाली है जो बिना वेंटिलेटर के शिशुओं को सांस लेने में मदद करती है। ऐसी स्थिति में अस्पताल की नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) में स्थापित सीपेप यूनिट ही मददगार बनती है। इन बच्चों को यहां पर सात दिन तक भर्ती रखा जाता है। स्थिति ठीक होने पर छुट्टी दे दी जाती है। हालत बिगड़ने पर जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाता है।

कम वजन वाले बच्चों की तीन श्रेणियां

जिले में हर वर्ष पैदा हो रहे 21,000 कम वजन वाले बच्चों को बचाना किसी चुनौती से कम नहीं है। इन बच्चों को तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। इसमें एलबीडब्ल्यू (लो बर्थ वेट), वीएलबीडब्ल्यू (वेरी लो बर्थ वेट) और ईएलबीडब्ल्यू (एक्सट्रिमली वेरी लो बर्थ वेट) श्रेणी शामिल है। श्रेणियों के अनुसार ही बच्चों का उपचार किया जाता है। ईएलबीडब्ल्यू श्रेणी के बच्चों को बचाना डॉक्टरों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन रही है।

एलबीडब्ल्यू (लो बर्थ वेट) : जन्म के समय वजन डेढ़ से ढाई किलो (1500 से 2400 ग्राम) के बीच। ऐसे बच्चों की संख्या लगभग 10 फीसदी तक हो गई है।

वीएलबीडब्ल्यू (वेरी लो बर्थ वेट) : जन्म के समय वजन एक किलो से डेढ़ किलो (1000 से 1499 ग्राम) के बीच। ऐसे बच्चों की संख्या छह फीसदी तक पहुंच गई है।

ईएलबीडब्ल्यू (एक्सट्रिमली वेरी लो बर्थ वेट) : जन्म के समय वजन एक किलो (1000 ग्राम से 700 ग्राम) से भी कम। ऐसे बच्चों की संख्या चार फीसदी तक पहुंच गई है जो सबसे चिंताजनक है।

हाल ही में अस्पताल में 700 ग्राम वजन के बच्चे का उपचार कर उसका जीवन बचाया गया है। ऐसी परिस्थितियां बहुत जटिल होती हैं। मां-बाप यदि ध्यान नहीं देंगे तो यह समस्या बढ़ती चली जाएगी। ऐसे बच्चों की संख्या बढ़ रही है।

-डॉ. केके शर्मा, बाल रोग विशेषज्ञ, पंडित दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय।

गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार और अच्छा वातावरण देना बहुत जरूरी है। मानसिक तनाव नहीं होना चाहिए। गर्भधारण की उम्र और अन्य परिस्थितियां भी जिम्मेदार होती हैं, इसलिए इसका ध्यान रखना होगा।

हेलमेट पहनकर निकले 400 बाइक सवार, सड़क सुरक्षा का दिया संदेश

लखनऊ, एजेंसी। सड़क हादसों में कमी लाने और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रविवार को यातायात माह की शुरुआत हुई। पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने रिजर्व पुलिस लाइन से जागरूकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में करीब 400 बाइक सवार शामिल हुए।

पुलिस आयुक्त ने हेलमेट, सीट बेल्ट के इस्तेमाल, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल से दूरी बनाए रखने की अपील की। नुक्कड़ नाटक के जरिये भी लोगों को जागरूक किया गया। दुर्घटना पीड़ितों को गोल्डन ऑवर में उपचार दिलाने का महत्व बताया गया।

और इधर, उड़ाते रहे नियमों का मखौल-एक तरफ पुलिस



आयुक्त यातायात माह के तहत बाइक रैली रवाना कर रहे थे। दूसरी तरफ, पुलिसकर्मी नियमों की धज्जियां उड़ा रहे थे। वेव मॉल से पॉलिटेक्निक चौराहे वाली सड़क पर बिना हेलमेट, विपरीत दिशा में बाइक दौड़ाते खाकीधारियों की इन तस्वीरों ने पुलिस की साख पर सवाल खड़ा कर दिया है।

1.16 करोड़ से चार ग्रामीण मार्ग होंगे गड्ढामुक्त

अलीगढ़ , एजेंसी। जिले के ग्रामीण इलाकों में जर्जर सड़कों से जल्द निजात मिलने वाली है। लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के चार ग्रामीण संपर्क मार्गों की विशेष मरम्मत के लिए शासन ने 1.16 करोड़ रुपये की कार्ययोजना को मंजूरी दी है। करीब 3.70 किलोमीटर लंबे इन मार्गों को गड्ढामुक्त कर नए सिरे से डामरीकृत किया जाएगा। स्वीकृत कार्यों में चमरपुरा से तुरसैन, गीगला से जारऊ, वेदई शहीद रोड से जैतई और चंदौसी से वेदई मार्ग शामिल हैं। ये सड़कें लंबे समय से बदहाल हैं। जगह-जगह गहरे गड्ढे और उखड़ी गिट्टियों के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। दोपहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। वहीं किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में भी दिक्कत होती है।

बिना सिर खोले नाक के रास्ते निकाला पिट्यूटरी ट्यूमर, मरीज की लौटी आंखों की रोशनी

लखनऊ, एजेंसी। सिविल अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने बिना सिर की हड्डी खोले नाक के रास्ते पिट्यूटरी ग्रंथि का ट्यूमर निकाल दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की प्रभावित आंखों की



रोशनी में सुधार हुआ है। सर्जरी माइक्रोस्कोपिक ट्रांसनेजल ट्रांसस्फेनॉइडल तकनीक से की गई।

न्यूरो सर्जन डॉ. विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि देवरिया निवासी मरीज दुबई में काम करता है। उसकी पिट्यूटरी ग्रंथि में ट्यूमर लगातार बढ़ रहा था, जिससे ऑप्टिक नसों पर दबाव पड़ने के कारण आंखों की रोशनी कमजोर हो गई थी। ऐसे में तत्काल ऑपरेशन जरूरी था।

उन्होंने बताया कि पिट्यूटरी ग्रंथि मस्तिष्क के आधार में स्थित होती है। इसमें ट्यूमर बढ़ने पर आसपास की महत्वपूर्ण नसों और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। ऐसे मामलों में सर्जरी काफी चुनौतीपूर्ण होती है। मरीज के ऑपरेशन में नाक के रास्ते स्फेनॉइड साइनस से होते हुए पिट्यूटरी ग्रंथि तक पहुंच बनाई गई। माइक्रोस्कोप की मदद से ट्यूमर को निकाल दिया गया। इस दौरान सिर की हड्डी खोलने की जरूरत नहीं पड़ी। ऑपरेशन के बाद मरीज की दृष्टि में सुधार हुआ।

अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने कहा कि यह उपलब्धि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में विशेषज्ञता और तकनीकी दक्षता का उदाहरण है। अस्पताल मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। ऑपरेशन टीम में एनेस्थेटिस्ट डॉ. एसके सिंह भी शामिल रहे।

खरीदारों की भीड़ में गुम हो गई ट्रैफिक व्यवस्था

अलीगढ़ , एजेंसी। दिवाली की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ रही भीड़ के बीच शहर की यातायात व्यवस्था लड़खड़ाने लगी है। प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की बढ़ती संख्या के साथ वाहनों का दबाव भी बढ़ रहा है, लेकिन पार्किंग के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं।

नतीजतन, खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे लोगों को जाम से जूझना पड़ रहा है। कई जगह सड़क किनारे खड़े वाहन आवागमन में बाधा बन रहे हैं।

शहर के रामघाट रोड, रेलवे रोड, महावीरगंज, बारहद्वारी, मामू भांजा, फूल चौराहा और सेंटर पाइंट जैसे प्रमुख बाजारों में इन दिनों दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है। पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं होने से लोग सड़क किनारे ही वाहन खड़े कर रहे हैं। इससे सड़कों की चौड़ाई कम हो जाती है और जाम की स्थिति बन रही है। बाजारों में आने वाले खरीदारों के साथ स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सड़क किनारे पार्किंग से थम रहे वाहनों के पहिये-बाजारों के आसपास बेतरतीब खड़े वाहनों से यातायात व्यवस्था



प्रभावित हो रही है। जाम में कई बार एंबुलेंस और अन्य जरूरी सेवाओं के वाहन भी फंस जाते हैं। इससे मरीजों और उनके तीमारदारों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले बाजारों में अतिरिक्त यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती होनी चाहिए। सड़क किनारे वाहन खड़े करने वालों पर कार्रवाई के साथ पार्किंग की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

नो एंट्री और वन-वे लागू करने की तैयारी-एसपी ट्रैफिक प्रवीण यादव ने बताया कि शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। त्योहारों को ध्यान में रखते हुए प्रमुख बाजारों में नो एंट्री और वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू करने की तैयारी है, ताकि बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले ग्राहकों को किसी तरह की असुविधा न हो।

मल्टीलेवल पार्किंग चलवा नहीं सका निगम अब 15 जगह स्टैंड बनाकर करेगा कमाई

बरेली , एजेंसी। बरेली। शहर में बनाई गई मल्टीलेवल पार्किंग का संचालन कराने में नाकाम नगर निगम अब शहर के प्रमुख बाजारों व सड़कों पर पार्किंग स्टैंड बनाकर कमाई करने की तैयारी में है। इसके लिए 15 स्थान चिह्नित कर लिए गए हैं। अफसरों का दावा है कि यहां वाहन खड़े होने से शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा। प्रमुख बाजारों में लोगों के बेतरतीब वाहन खड़ा करने से लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिलेगी।

शहर के विभिन्न मार्गों पर पार्किंग स्टैंड नहीं होने से लोग कहीं भी आड़े-तिरछे वाहन खड़े कर देते हैं जो जाम की वजह बनते हैं। सेटेलाइट, श्यामगंज ओवरब्रिज, चौकी चौराहा, पटेल चौक, नावल्टी चौराहा, कुतुबखाना आदि स्थानों पर बेतरतीब पार्किंग की वजह से आए दिन जाम लगता है। ये प्रमुख व्यावसायिक स्थल हैं, जहां रोजाना हजारों लोग खरीदारी करने आते हैं। इस दौरान वे अपने चार पहिया व दो पहिया वाहनों को आड़ा-तिरछा खड़ा कर देते हैं। इससे जाम लगता है। इससे निपटने के लिए ही यह कवायद की जा रही है।

ये स्थल चिह्नित-डीडीपुरम में फूड कोर्ट के बाहर, सिविल लाइंस, एलन क्लब, दीपक स्वीट्स, पीटर इंग्लैंड के सामने, पीलीभीत रोड पर पासपोर्ट ऑफिस, मेडिसिटी हॉस्पिटल के सामने, गांधी उद्यान के सामने, गंगाशील हॉस्पिटल के सामने समेत कुल 15 स्थान चिह्नित किए गए हैं। इसका प्रस्ताव तैयार करके फाइल अनुमति के लिए नगर आयुक्त के पास जाएगी। स्वीकृति के बाद टेंडर निकालकर एजेंसी का चयन किया जाएगा। शहर की सड़कों व नगर निगम की सरकारी भूमि पर कई लोग वाहन खड़े करके लापता हो जाते हैं। पटेल चौक से चौपुला की ओर जाने वाली सड़क के किनारे दिनभर में करीब एक हजार दो पहिया व 200 चार पहिया वाहन खड़े होते हैं। कुछ चार पहिया वाहन महीनों से खड़े-खड़े कबाड़ हो रहे हैं। सड़क के दोनों तरफ 20-20 फुट की प्राइवेट पार्किंग का लाभ यहां के शोरूम संचालक उठा रहे हैं।

मुख्य सड़क पर तीन लाइन में खड़े हो रहे वाहन-पटेल चौक से चौपुला मार्ग पर खरीदारी के लिए आने वाले लोग मुख्य सड़क पर तीन लाइन में कार खड़ी कर देते हैं। इससे जाम लगता है। पटेल चौक पर पुलिस टीम मौजूद रहती है, इसके बावजूद यातायात व्यवस्था को सुचारु नहीं किया जा रहा है।

मल्टीलेवल पार्किंग के नाम पर 16 करोड़ पानी मेंस्मार्ट सिटी के बजट से 16 करोड़ की लागत से तैयार मल्टीलेवल पार्किंग बेमतलब साबित हो रही हैं। डीडीपुरम, गांधी उद्यान पार्क, संजय कम्युनिटी हॉल और कुतुबखाना के पास तीन साल पहले बनाई गई मल्टीलेवल पार्किंग पूरी तरह से फेल साबित हो रही हैं।

पीठ पर 10 किलो वजन, लक्ष्य 150 किमी दौड़

आगरा, एजेंसी। हौसले और जुनून की परीक्षा के लिए आगरा के युवा धावक अनुराग चौधरी रविवार सुबह 11 बजे दयालबाग स्थित एकल पाठशाला से 150 किलोमीटर की दौड़ पर निकल पड़े हैं। उनका लक्ष्य 24 घंटे में पीठ पर 10 किलोग्राम वजन लादकर यह दूरी पूरी कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना है। पूरी चुनौती के दौरान कैमरों से उन पर लगातार नजर रखी जाएगी। दौड़ को पार्षद भरत शर्मा, प्रधान महेंद्र सिंह, सत्यवीर सिंह, देवेंद्र सिंह, भरत महाजन, मनीष ने हरी झंडी दिखाकर रवाना



किया। अनुराग को दौड़ पूरी कर हरियाणा के पलवल पहुंचना है। इससे पहले वह स्पीति मैराथन में करीब 77 किलोमीटर की कठिन दौड़ पूरी कर अपनी सहनशक्ति साबित कर चुके हैं। इस मौके पर वैशाली, बंटी सचदेवा, कुणाल गुप्ता, विपिन शर्मा, बीडी शर्मा, सिद्धार्थ राजपूत, चेतन पाठक, आशीष गुप्ता, दिनेश और सौरभ मौजूद रहे।

फिटनेस और एकजुटता के लिए दौड़ा शहर



लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के प्रमुख आयोजनों में शुमार लखनऊ रन का आठवां संस्करण रविवार को किया गया। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल की ओर से हुए आयोजन का उद्देश्य फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और सामुदायिक एकजुटता को बढ़ावा देना रहा। दौड़ में शहर की प्रमुख हस्तियों के अलावा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षाविदों ने भाग लिया।

इस दौरान सैकड़ों स्कूली विद्यार्थियों ने भी उत्साह दिखाया। इसका आयोजन चार श्रेणी (21 किमी, 10 किमी, 05 किमी और 03 किमी) में किया गया। 21 किमी पुरुष वर्ग में डॉ. मोहम्मद यूनुस ने एक घंटा 29 मिनट 58 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। आकाश यादव 1:32:57 के समय के साथ दूसरे और कपिल गंगवार 1:37:26 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

महिला वर्ग में कुसुम लता ने 2:01:15 का समय दर्ज कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। लेफ्टिनेंट कर्नल संध्या उनियाल 2:05:44 के साथ दूसरे और प्रियंवदा चौबे 2:22:05 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। 10 किमी पुरुष वर्ग में दीपक कुमार ने 41 मिनट 51 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान हासिल किया। पीयूष खट्टर 43:42 के साथ दूसरे और दिव्यांशु प्रजापति 46:29 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, महिला वर्ग में अनन्या जे गुप्ता ने 50 मिनट 32 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान प्राप्त किया। डायना वेलेदे 52:39 के साथ दूसरे और शिवानी गुप्ता 52:46 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

इससे पहले लखनऊ रन के संयोजक सर्वेश गोयल और आईएएस रितु सुहास ने इसका फ्लैग-ऑफ किया। समापन पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विजेताओं को पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

युवोत्सव में आगरा कॉलेज ने जीती चल वैजयंती ट्रॉफी

आगरा, एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित तीन दिवसीय युवोत्सव 2026-27 का रविवार को शिवाजी मंडपम में समापन हो गया। महोत्सव में सर्वाधिक पुरस्कार हासिल कर आगरा कॉलेज ने स्व. जितेन्द्र रघुवंशी चल वैजयंती ट्रॉफी अपने नाम की। तीन दिनों तक विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों और संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक, साहित्यिक, बौद्धिक और रचनात्मक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

समापन समारोह में कुलपति प्रो. आशु रानी ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए



कहा कि प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने से अधिक महत्वपूर्ण अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. भूपेंद्र स्वरूप शर्मा के निर्देशन में हुए कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के साथ अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

डॉ. रुचिरा प्रसाद ने आयोजन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। ललित कला संस्थान के मूक अभिनय और लोक नृत्य की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। अंतिम दिन हुई स्किट प्रतियोगिता में आगरा कॉलेज प्रथम, एकांकी नाटक में आरबीएस कॉलेज ने पहला, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आगरा कॉलेज के सजल जैन प्रथम, अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में सेंट जॉन्स कॉलेज की आयशा राशिद प्रथम रहीं।

प्रो. बृजेश रावत, डॉ. नीलू सिन्हा ,प्रो. रजनीश अग्निहोत्री, डॉ. अखिलेश चंद सक्सेना, प्रो. शरद चंद उपाध्याय, प्रो. बिंदु शेखर शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस के जवानों ने घेरा मुख्यालय, वकीलों के दबाव में एसीपी-इंस्पेक्टर के तबादले का हो रहा विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। वकीलों के दबाव में आकर पूर्वी दिल्ली में एक एसीपी और एक इंस्पेक्टर का निष्क्रिय यूनिटों में तबादला किए जाने के विरोध में दिल्ली पुलिस के जवानों ने पुलिस मुख्यालय का घेराव किया। पुलिस जवानों का कहना था कि यह कार्रवाई पूरी तरह से अनुचित है और इससे पुलिसबल का मनोबल गिरता है। तीस हजारी कोर्ट परिसर में हुई हिंसा की घटना के बाद यह दूसरा मौका है जब दिल्ली पुलिस के कर्मियों ने अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए सीधे तौर पर पुलिस मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस मुख्यालय के आसपास भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया था। प्रदर्शन कर रहे जवानों ने उच्च अधिकारियों से इस मामले में हस्तक्षेप करने और पुलिसकर्मियों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई रोकने की मांग की। इस अप्रत्याशित प्रदर्शन से महकमे में हड़कंप मच गया है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए डिजियात्रा, चेहरे की पहचान से अब आसान होगा हवाई सफर



नई दिल्ली, एजेंसी। आइजीआई एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से संबंधित यात्रियों के लिए डिजियात्रा सुविधा का ट्रॉयल शुरू हो गया है। इसके जरिये यात्री चेहरे की पहचान के माध्यम से एयरपोर्ट के निर्धारित चेक प्वाइंट से गुजर सकेंगे। हालांकि, फिलहाल यह सुविधा विदेशी यात्रियों के लिए नहीं है। पहले चरण में ई-पासपोर्ट रखने वाले भारतीय नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। यह सुविधा एअर इंडिया और इंडिगो की चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर उपलब्ध होगी। नई सुविधा के साथ ही भारत घरेलू उड़ानों के बाद अब अंतरराष्ट्रीय विमानन व्यवस्था को भी डिजिटल पहचान और फेस रिकग्निशन तकनीक से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एक नवंबर से दिल्ली समेत देश के सात प्रमुख एयरपोर्ट पर इस व्यवस्था का ट्रॉयल शुरू किया गया है। इनमें मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि, चेन्नई और अमृतसर शामिल हैं। ट्रॉयल दिसंबर तक चलेगा। डिजियात्रा का इस्तेमाल अब तक मुख्य रूप से घरेलू हवाई यात्रा में किया जा रहा था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, इस प्लेटफार्म के जरिये देश के 39 घरेलू हवाई अड्डों पर 11 करोड़ से अधिक यात्राएं संभव हुई हैं। सभी की पहचान की जाएगी सुनिश्चित सरकार की योजना वर्ष 2027 तक 25 अन्य घरेलू हवाई अड्डों पर भी इस सुविधा का विस्तार करने की है।बाक्सएऐसे काम करेगी डिजियात्रा इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए यात्रियों को डिजियात्रा एप पर अपना डिजिटल वेरिफाएबल क्रेडेंशियल तैयार करना होगा।

झिलमिल में गैंगस्टर मुमताज का जुआ अड्डा ध्वस्त, कई गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। कुख्यात गैंग्सटर छेनू पहलवान का शूटर व गैंग्सटर मुमताज झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में बड़े स्तर पर जुआ चलवा रहा था। एक फैक्ट्री की प्रथम तल पर किराया लेकर जुए का अड्डा चलवाया जा रहा था।
शाहदरा जिला पुलिस व उत्तर पूर्वी जिले की एएटीएस और स्पेशल स्टाफ की टीम ने शनिवार देर रात इस अड्डे पर छापेमार कर मुमताज समेत 32 लोगों को गिरफ्तार किया। इस अड्डे से 30 लाख रुपये व चिप्स समेत अन्य सामग्री बरामद की है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि शनिवार रात को संयुक्त टीमों ने कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सीलमपुर निवासी मुमताज, रविंद्र, राशिद, राधे मेहता, ऋषि पाल, दीपक, गौरव चौधरी, मोबिन, अबरार, नरेंद्र सिंह, रवि कुमार, मुजम्मिल, अक्षय अरोड़ा, सचिन गर्ग, अजय, साहिल, संतोष, चेतन, संतोष कुमार, विकास, रिजवान खान, सफदर, शेर मोहम्मद, रोकेन्द्र, कैलाश चंद, रणजीत कुमार, कल्याण सिंह, राजीव चौहान, देवनाथ, आरिफ, ननुआ, कपिल चौधरी, वसीम, अनिल, अरशान खान, के रूप में हुई है। बता दें पिछले साल उत्तर पूर्वी जिले के स्पेशल स्टाफ ने मुमताज को सीलमपुर क्षेत्र में उसके जुए के अड्डे से गिरफ्तार किया था।

कारोबारियों का दावा- 20 बाजारों में दिखा रैली का असर, कनॉट प्लेस में 40% तक गिरी बिक्री



नई दिल्ली, एजेंसी। रामलीला मैदान में आईएनडीआईए की रैली की वजह से दिल्ली के बाजारों का कारोबार प्रभावित होने की आशंका कुछ हद तक सच साबित हुई। खासकर कनॉट प्लेस, पालिका बाजार, सुपर बाजार, जनपथ, चावड़ी बाजार समेत अन्य बाजारों में दीपावली वाली त्यौहारी खरीदारी नहीं हो सकी। सर्वाधिक प्रभावित कनॉट प्लेस व उसके आस-पास के बाजार तथा वहां स्थित रेस्त्रां रहे। जिसका कारोबार रात्रि तक बमुश्किल 40 प्रतिशत तक हो पाया। यह बाजार रैली स्थल के नजदीक पड़ता है। रविवार को भी रैली के दौरान रैली स्थल तक आउटर सर्कल से मिंटो ब्रिज होते हुए आईएनडीआईए नेताओं के मार्च निकालने के चलते कनॉट प्लेस में अनिश्चितता और भय की स्थिति बनी रही।

20 बाजारों पर पड़ा प्रभाव: स्थिति यह कि अधिकांश दुकानें तब तक बंद रही और उसके गलियारों में दरी बिछाकर प्रदर्शनकारी आराम करते तथा खाना खाते नजर आए। शाम को भी ज्यादा चहल पहल नजर नहीं आई और गलियारों से लेकर पार्किंग स्थल तक खाली रहे। इस बीच, कारोबारी संगठन चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने दावा किया कि महारैली की वजह से रामलीला मैदान के आस-पास स्थित 20 बाजारों का करीब 11 हजार करोड़ की बिक्री प्रभावित हुई।

'पांच लाख खरीदारों में बमुश्किल एक लाख लोग पहुंचे': सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने दावा किया कि रविवार को रैली की वजह से बाजारों में तनाव व डर का माहौल बरकरार रहा। ऐसे में रैली स्थल के आसपास स्थित बाजारों की 20 प्रतिशत ही दुकानें खुली रही। दिल्ली के आस-पास के शहरों से आने वाले खुदरा दुकानदार भी डर की वजह से दिल्ली आने से परहेज किया, जिसके चलते आम त्यौहारी खरीदारी में आने वाले पांच लाख खरीदारों में बमुश्किल एक लाख लोग पहुंचे।

रैली रोकने का कई बार किया आग्रह: बता दें कि रैली में आईएनडीआई द्वारा 10 लाख से अधिक प्रदर्शनकारियों के जुटने का दावा किया गया था। दीपावली के मद्देनजर त्यौहारी खरीदारी के प्रभावित होने की आशंका से व्यापारी संगठन ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर रैली को दीपावली बाद तक स्थगित करने का आग्रह किया था। इसी तरह का आग्रह, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सपा मुखिया अखिलेश यादव व तृणमूल की मुखिया ममता बनर्जी को भी लिखा था।

ग्राहक पहले से ही सीपी आने को लेकर डरे: कनॉट प्लेस के कारोबारी संगठन नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने जारी बयान में अदालत से आग्रह किया कि कनॉट प्लेस को रैली, विरोध प्रदर्शन या शांति मार्च से दूर रखना चाहिए। क्योंकि इससे उनके आजीविका के अधिकार पर असर पड़ रहा है। एनडीटीए के अध्यक्ष अतुल भार्गव ने कहा कि ग्राहक पहले से ही सीपी आने को लेकर डरे हुए हैं।

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया आरोप : यहां आने वाले लोगों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है। त्योहारों के इस मौसम में यहां की दुकानों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसी गतिविधियां केवल तय की गई जगहों पर ही होनी चाहिए। वहीं, कनॉट प्लेस की बंद दुकानों को लेकर कांग्रेस पार्टी की तरफ से एक्स पोस्ट में दावा किया गया कि दुकानें भाजपा ने बंद करवाई है।

दावे से बहुत कम जमा हो सकी भीड़: उधर, दोपहर बाद चांदनी चौक व सदर बाजार में आशंका के विपरित खरीदार पहुंचे। इसके चलते दुकानदार उत्साहित नजर आए। चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय भार्गव ने कहा कि रैली में 10 लाख प्रदर्शनकारियों के दावे के विपरित प्रदर्शनकारियों की संख्या काफी कम रही है। सुरक्षा व्यवस्था भी दुरुस्त रही। ऐसे में खरीदार शाम को आश्वस्त होकर बाजारों में आ रहे हैं। सदर बाजार में भी दोपहर बाद माहौल बेहतर हुआ ओर दिल्ली के साथ ही एनसीआर के शहरों से खरीदार पहुंचे।

डीएनडी और चिल्ला बॉर्डर पर भीषण जाम, बीएस-4 वाहनों की दिल्ली में नो-एंट्री; हर चौराहे पर सख्त चेकिंग



नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में दीवाली से पहले ही बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए गैर बीएस-6 वाहनों के प्रवेश पर 1 नवंबर से रोक लगा दी गई है। पहले दिन भी हजारों वाहनों को वापस भेजा गया। यही स्थिति आज यानी दूसरे दिन भी है। जिस वजह से डीएनडी समेत कई मुख्य मार्गों पर भीषण जाम लग गया है। दिल्ली पुलिस द्वारा बीएस-4 वाहनों की चेकिंग की जा रही है, जिस वजह से डीएनडी पर नोएडा की जाने वाली लेन पर भीषण जाम लग गया है।

नोएडा से दिल्ली की ओर जाने वाली लेन पर जाम की स्थिति नहीं हैं। टैफिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। हालांकि, नोएडा से दिल्ली की ओर यमुना पुल से जाम है। सराय काले खां और आउटर रिंग रोड व उसके नीचे सर्विस रोड पर भीषण जाम है।

नोएडा सेक्टर-14 ए के पास चिल्ला बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस द्वारा बीएस-4 वाहनों की चेकिंग की जा रही है, इसलिए वहां पर जाम जैसी स्थिति भी बन गई है। बीएस-4 वाहनों को वापस भेजा जा रहा है।

लागू विंटर एक्शन प्लान के पहले दिन पुलिस-प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। नियमों का उल्लंघन करने पर 68.4 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। गुरुग्राम-दिल्ली सीमाओं पर सघन जांच के कारण यातायात धीमा हुआ और वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं।

दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तानी नारे लिखने के मामले में तीन गिरफ्तार

एसएफजे के उकसाने पर किया अपराध



नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों पर देशविरोधी और अलगाववादी नारे लिखने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इन आरोपियों ने प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) के हैंडलर्स के इशारे पर यह नापाक हरकत को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों की पहचान हरियाणा के पानीपत निवासी सुमीत उर्फ रफ्तार (30 वर्ष), और पंजाब निवासी सुमित कुमार उर्फ काका (22 वर्ष) तथा गुरप्रीत (22 वर्ष) के रूप में हुई है।

जांच में यह बात सामने आई है कि लुधियाना का रहने वाला सुमित कुमार इस पूरे षड्यंत्र का मास्टरमाइंड है। उसे एसएफजे के समर्थकों द्वारा कट्टरपंथी बनाया गया था। मास्टरमाइंड ने ही एक एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए अन्य सहयोगियों को ग्राफिटी के टेम्पलेट भेजे थे और इस काम को पूरा करने के बदले भारी-भरकम रकम का लालच दिया था। इन नारों में प्रतिबंधित संगठन एसएफजे और खालिस्तान विचारधारा का खुला समर्थन किया गया था, साथ ही समुदाय के तथाकथित गद्दारों के खिलाफ बदला लेने की धमकियां भी दी गई थीं।

शापिंग का झांसा देकर लाए थे दिल्ली: स्पेशल सेल के डीसीपी नर्रा चैतन्य ने जानकारी दी कि मुख्य आरोपी सुमीत तक पहुंचने के बाद पुलिस ने बाकी दोनों सहयोगियों की भूमिका का पर्दाफाश किया। मास्टरमाइंड सुमित ने गुरप्रीत को शॉपिंग करवाने के बहाने पंजाब से दिल्ली बुलाया था।
आरोपियों ने 28-29 अक्टूबर की रात को दिल्ली पहुंचकर इस साजिश को अंजाम दिया। सुमीत ने जहांगीरपुरी स्टेशन पर नारे लिखने के बाद उसका वीडियो रिकॉर्ड कर अपने विदेशी हैंडलर्स को भेजा था, जबकि सुमित और गुरप्रीत ने शास्त्री नगर स्टेशन पर ग्राफिटी की थी।
कानूनी कार्रवाई और आगे की जांच: इस सिलसिले में मेट्रो के आजादपुर और एनएसपी (नेताजी सुभाष प्लेस) थानों में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब इन आरोपियों के पीछे छिपे मुख्य हैंडलर्स और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान करने के लिए आगे की गहनता से छानबीन कर रही है।

दिल्ली में प्रदूषण पाबंदियों के कारण 1,539 वाहन बॉर्डर से वापस लौटाए, 68 लाख से अधिक का जुर्माना वसूला

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए लागू किए गए विंटर एक्शन प्लान और सख्त एंटी-पोल्यूशन पाबंदियों के पहले दिन ही प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी नजर रखते हुए पहले ही दिन अधिकारियों ने कुल 68.4 लाख रुपये का जुर्माना और पर्यावरण मुआवजा वसूला है। विभिन्न चेकपॉइंट्स पर अधिकारियों ने लगभग 15,000 वाहनों की जांच की। दिल्ली में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे प्रदूषण फैलाने वाले और नियमों का पालन न करने वाले 1,539 वाहनों को बॉर्डर से ही वापस लौटा दिया गया। इसके अलावा, पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट (पीयूसीसी) के नियमों का उल्लंघन करने पर 566 चालान भी काटे गए। प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार और संबंधित विभाग पूरी तरह मुस्तैद हैं। दिल्ली-गुरुग्राम और दिल्ली-नोएडा सहित प्रमुख बॉर्डर प्वाइंट्स इंट्स पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे पहले दिन यातायात प्रभावित होने के कारण कई जगहों पर वाहनों की लंबी कतारें और जाम की स्थिति भी देखने को मिली। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे नियमों का सख्ती से पालन करें ताकि वायु गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके।

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के सात मछुआरों को किया गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

कोलंबो, एजेंसी। तमिलनाडु के रामेश्वरम से समुद्र में गए सात भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने और उनके जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

नौसेना ने उनकी एक मैकेनाइज्ड नाव को भी जब्त कर लिया है। रविवार को श्रीलंकाई अदालत में पेश किए जाने के बाद सभी मछुआरों को 13 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।



तलाईमन्नार के पास रोकी गई नाव: शनिवार को रामेश्वरम फिशिंग हार्बर से लगभग 2500 मछुआरे करीब 400 मैकेनाइज्ड नावों में सवार होकर समुद्र में निकले थे। पाक खाड़ी क्षेत्र में तलाईमन्नार के पास जब वे मछली पकड़ रहे थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना ने जॉन मर्विन की एक मैकेनाइज्ड नाव को रोक लिया।

नौसेना ने नाव पर सवार सात मछुआरों को हिरासत में लिया, जिनकी पहचान प्लासियस, अलगु पांडी, एंटनी पिचाई, राबिन, नेल्सन, अरुलनंदा जेवियर और सगया आनंद के रूप में हुई है।

इसके बाद उन्हें मन्नार नौसैनिक कैंप ले जाया गया और आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए श्रीलंकाई मत्स्य पालन अधिकारियों को सौंप दिया गया।

अमेरिका में हैलोवीन वीकेंड बना खौफनाक, डलास से अलबामा तक गोलियों की गूंज, 6 लोगों की मौत

वाशिंगटन/डलास, एजेंसी। अमेरिका में हैलोवीन सप्ताहांत के दौरान देश के करीब छह शहरों में गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य लोग घायल हुए। सबसे अधिक हिंसा डलास में हुई। पुलिस ने बताया कि डलास शहर के डीप एलम इलाके में गोलीबारी की कुछ घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यह इलाका संगीत, रेस्तरां और रात में मनोरंजन के लिए लोकप्रिय है। अर्कांसस के फेयेटविले, अलबामा के बर्मिंघम और डेलावेयर के नेवार्क जैसे शहरों में भी पुलिस ने सप्ताहांत के दौरान गोलीबारी की घटनाओं की जानकारी दी। डलास के पुलिस प्रमुख डैनियल कोमोक्स ने बताया कि जांचकर्ता अभी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि शनिवार रात करीब सवा घंटे के भीतर हुई गोलीबारी की घटनाएं आपस में जुड़ी हुई थीं या नहीं। कोमोक्स ने बताया कि गोलीबारी की तीन अलग-अलग घटनाएं हुईं और अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि ये क्यों शुरू हुईं। उन्होंने कहा कि कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है या उन पर क्या आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, एक अलग घटना में शनिवार रात अलबामा राज्य के बर्मिंघम शहर में लीजन फील्ड के ठीक बाहर वार्षिक मैजिक सिटी क्लासिक फुटबॉल मैच के बाद हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

काम और जिंदगी के बीच संतुलन अहमः बेहिचक बड़ी नौकरियां छोड़ रही आधी आबादी, अब रचनात्मक काम में आजमा रहीं हाथ

न्यूयॉर्क/सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। करीब 20 साल तक कॉर्पोरेट लीडरशिप की जिम्मेदारी संभालने और मातृत्व की दोहरी भूमिका निभाने के बाद 47 वर्षीया तृषा दाब ने जब एक साल का ब्रेक लिया, तो उन्हें अहसास हुआ कि वे कितनी थक चुकी थीं। तृषा कहती हैं, जिंदगी ऐसी महसूस होती थी मानो मैं लगातार कोई मैराथन दौड़ रही हूं। ब्रेक के दौरान मुझे समझ आया कि मेरी प्राथमिकताएं पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब वे कॉर्पोरेट की ऊंची कुर्सी छोड़कर ट्रैवल राइटर और सब्स्टिट्यूट टीचर के रूप में अधिक संतुलित जीवन जी रही हैं। यह केवल तृषा की कहानी नहीं है। 30 और 40 के दशक की उम्र वाली मिलेनियल महिलाएं अब कॉर्पोरेट सीढ़ी के शीर्ष पर पहुंचने की अंधी दौड़ को अलविदा कह रही हैं। 2010 के दशक में मेटा (मेटावर्स) की पूर्व सीओओ शेरिल सैंडबर्ग ने अपनी प्रसिद्ध किताब के जरिये महिलाओं को कॉर्पोरेट लीडरशिप में आगे बढ़ने के लिए 'लीन इन' का मंत्र दिया था। लेकिन आज वही मिलेनियल महिलाएं उस मंत्र को उलटकर 'लीन आउट' कर रही हैं, यानी कॉर्पोरेट दुनिया को छोड़कर अपना खुद का बिजनेस शुरू कर रही हैं, कंटेंट क्रिएटर बन रही हैं या वर्क-लाइफ बैलेंस को प्राथमिकता दे रही हैं। बिजनेस इनसाइडर से बातचीत करते हुए 57 वर्षीया शेरिल सैंडबर्ग ने स्वीकार किया कि महिलाओं का कॉर्पोरेट से यह पलायन इस बात का संकेत है कि कार्यस्थलों पर उन्हें वह महत्व और सहयोग नहीं मिल रहा जिसकी वे हकदार हैं।

कंपनी ने कर्मचारी की मेहनत पर लुटाया अपार प्यार

4 करोड़ का सरप्राइज तोहफा देकर किया हैरान

दुबई, , एजेंसी। एक रियल एस्टेट कंपनी रिचकी प्रॉपर्टीज ने अपनी बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली कर्मचारी नतालिया शावेज को करोड़ों रुपये की लग्जरी कार भेंट की है। दुबई की इस कंपनी के मालिक दबान ओथमान ने नतालिया के काम की सराहना करते हुए उन्हें लेम्बोर्गिनी उरुस तोहफे में दी, जिसकी कीमत करीब 4 करोड़ रुपये बताई जा रही है। नतालिया ने पिछले दो वर्षों में 500 मिलियन डॉलर यानी 4,760 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री पूरी की। उनके इसी शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें कंपनी की वर्ष 2026 की टॉप परफॉर्मर चुना गया।

कंपनी की वर्षगांठ पर मिला बड़ा सरप्राइज: यह खास तोहफा कंपनी की तीसरी वर्षगांठ के समारोह के दौरान दिया गया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि नतालिया को पहले मंच पर बुलाया जाता है और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाता है। इसके बाद जब वह मंच से नीचे उतरने लगती हैं, तो उन्हें दोबारा बुलाया जाता है। उन्हें बताया जाता है कि उनके लिए एक और सरप्राइज रखा गया है। इसके बाद रिबन से सजी नई लेम्बोर्गिनी उरुस उनके सामने लाई जाती है और उन्हें खुद कार से पर्दा हटाने के लिए कहा जाता है। इस तोहफे के साथ नतालिया को चार पुरस्कार भी दिए गए। रिचकी प्रॉपर्टीज ने इंस्टाग्राम पर समारोह का वीडियो साझा करते हुए नतालिया की उपलब्धियों की तारीफ की। कंपनी के मुताबिक, नतालिया ने पहली से तीसरी तिमाही तक अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और रिचकी टॉप परफॉर्मर ऑफ 2026 का खिताब अपने नाम किया। इसी उपलब्धि के लिए उन्हें कंपनी का सबसे बड़ा पुरस्कार दिया गया।

नतालिया ने बताया अपनी सफलता का मंत्र: नतालिया ने एक साक्षात्कार में कहा था कि उनकी निरंतर मेहनत के पीछे एक खास लक्ष्य है। वह निवेशकों को दुबई में निवेश करने में मदद करना चाहती हैं और हर सौदे में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है, क्योंकि यहां रुकने की गुंजाइश नहीं है। नतालिया के मुताबिक, उन्हें भरोसा था कि अपने करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए उन्होंने सही कंपनी चुनी है।



संपादकीय

स्कूल की घटना: व्यवस्था सुधारने की जरूरत

राजधानी चंडीगढ़ से सटे हरियाणा के नगर पंचकूला के एक राजकीय विद्यालय में हाल ही में हुई वीभत्स घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है, जिसमें स्कूल के एक कमरे में करीब 8 वर्षीय एक नन्हे छात्र द्वारा करीब 6 वर्षीया नन्ही छात्रा को बेरहमी से पीटा गया। इस घटना की वायरल हुई वीडियो को देखना भी आसान नहीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले एक 8 वर्षीय छात्र ने के.जी. की 6 वर्षीया छात्रा पर स्कूल परिसर में हमला कर दिया। बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसे इलाज के लिए पी.जी.आई. चंडीगढ़ ले जाना पड़ा।

यहां सवाल सिर्फ एक बच्चे की ड्क्षहसा का नहीं, हमारी शिक्षा और संस्कार व्यवस्था का भी है। इस घटना ने अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और समाज को कठघरे में खड़ा किया है। आखिर स्कूलों में बच्चे कितने सुरक्षित हैं? स्कूल को बच्चे का दूसरा घर कहा जाता है। माता-पिता अपने जिगर के टुकड़ों को इस विश्वास के साथ स्कूल भेजते हैं कि वहां वे सुरक्षित रहेंगे, शिक्षा प्राप्त करेंगे और अच्छे संस्कार सीखेंगे। लेकिन सामने आई इस घटना ने इस विश्वास को गहरा झटका दिया है। वर्तमान में तो यह भी कहा जा सकता है कि होम स्कूड्क्षलग ही अच्छी। सबसे गंभीर सवाल यह है कि स्कूल परिसर में इतनी छोटी बच्ची के साथ यह सब कैसे हो गया? क्या उस समय संबंधित कक्षा और गलियारों में शिक्षकों की निगरानी नहीं थी? सी.सी.टी.वी. कैमरे लगे होने के बावजूद घटना समय रहते सामने क्यों नहीं आई? स्कूल में केवल सी.सी.टी.वी. कैमरे लगा देना पर्याप्त नहीं है। उनका नियमित निरीक्षण, पर्याप्त स्टाफ और बच्चों की गतिविधियों पर सतत्



निगरानी भी जरूरी है। लेकिन यहां एक बड़ा सवाल यह भी है कि आज के वक्त स्कूलों में शिक्षकों पर पढ़ाई के अलावा भी कई तरह की जिम्मेदारियां हैं, जो समय-समय पर शिक्षकों की बगैर इच्छा के ही उन्हें दे दी जाती हैं।

शिक्षकों से गैर-शिक्षण कार्य लिए जा रहे हैं और इसके चलते खासतौर पर राजकीय विद्यालयों में कई बार एक शिक्षक को अपनी कक्षा के साथ अन्य कक्षाओं के बच्चों को भी संभालना पड़ता है। ऐसे में कई तरह की लापरवाहियां न चाहते हुए भी होती हैं। सरकारी स्कूलों में तो कई जगह पूरा स्टाफ ही नहीं है। मुद्दा तब बनता है जब कोई बड़ी घटना होती है। इस स्कूल की घटना को लेकर सभी पहलुओं को जांचना होगा और निष्कर्ष पर अमल करना होगा, ताकि ऐसी घटनाएं फिर न हों। इस घटना में एक और गंभीर पहलू है। जिस बच्चे पर हमले का आरोप है, उसकी उम्र भी महज 8 वर्ष बताई जा रही है, जो खेलकूद, सीखने और अच्छे संस्कार ग्रहण करने की होती है।

हमें यह भी समझना होगा कि इतनी कम उम्र में किसी बच्चे के व्यवहार में इतनी आक्रामकता किन परिस्थितियों में पैदा हुई। क्या आसपास का वातावरण, पारिवारिक परिस्थितियां, ड्क्षहसक दृश्य, डिजिटल सामग्री अथवा भावनात्मक समस्याएं इसके पीछे हो सकती हैं?

इन सभी संभावनाओं की विशेषज्ञों द्वारा जांच होनी चाहिए। आरोपी बच्चा भी एक नाबालिग है। उसके साथ केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और व्यवहार संबंधी दृष्टिकोण से भी काम लेना जरूरी है। बच्चों का पहला विद्यालय उनका घर होता है। माता-पिता को यह देखना होगा कि बच्चे क्या देख रहे हैं, किस प्रकार की भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं और दूसरों के प्रति कैसा व्यवहार करते हैं। बच्चों को बचपन से ही सहानुभूति, संयम, सम्मान और अहिंसा का पाठ पढ़ाना होगा।

अपनों से ही दूर होते अपने: रिश्तों के कत्ल को कैसे दें विराम?

परिवार और समाज में सबसे अहम अगर कोई चीज है तो वह रिश्ते हैं, जिन्हें हम निभाते हैं. आपसी रिश्ते चाहे भाई-बहन, माता-पिता या पति-पत्नी के हों, उनकी पवित्रता से इन रिश्तों को मजबूती मिलती है और आगे चलकर यही रिश्ते उदाहरण बनते हैं, सच तो यही है कि इनके दम पर ही हम संस्कारों व संस्कृति की स्थापना करते हैं. इस कड़ी में पिछले दिनों दो ऐसी खबरें उभर कर सामने आईं जो हमें सोचने पर मजबूर कर देती हैं. उन्हें पढ़कर सचमुच रूह भी कांप उठती है. मेरठ की एक विवाहित महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की हत्या करवा दी और शव के टुकड़े-टुकड़े करके उसे सीमेंट से भरे एक नीले ड्रम में छिपा दिया ताकि लाश का पता ही न चले. इस महिला और उसके प्रेमी को अदालत ने दुर्लभ श्रेणी का मर्डर केस मानकर मृत्यु दंड की सजा सुनाई. इसी मेरठ से एक और चौंकाने वाली खबर है कि एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति का गला घोंट दिया. इसके बाद वहां एक सांप छोड़ दिया और प्रचार किया कि सांप ने उसके पति को डस लिया है. यह हत्या सांप कांड के नाम से चर्चित हुई और माननीय अदालत ने इसे हत्या का दुर्लभतम केस मानते हुए पत्नी और उसके प्रेमी को



फांसी की सजा सुनाई. जिस देश में रिश्तों की पवित्रता के उदाहरण दिए जाते हों वहां ये घटनाएं होना बड़ा दुखदायी है लेकिन सुकून है कि अदालत ने दोषियों को फांसी दिए जाने का ऐलान भी किया. इसी कड़ी में पुणे में एक युवती ने अपने मंगेतर की हत्या इसी साल करवाई, जबकि इंदौर के केस में सोनम रघुवंशी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी. इन दोनों केसों पर अभी कोर्ट में सुनवाई चल रही है. इनके अलावा ऐसी सैकड़ों घटनाएं पिछले सिर्फ तीन साल में हुईं जिन पर अदालतों में सुनवाई चल रही है. यह रिश्तों का कत्ल नहीं तो और क्या है? समाज नारी का यह कौन सा रूप देख रहा है जिसमें पत्नियां अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्याएं कर रही हैं. हत्याएं भी इतने वीभत्स तरीके से हो रही हैं कि आत्मा तक कांप रही है. आखिरकार समाज जा कहां रहा है? ऐसी विवाहित महिलाओं पर ऐसा कौन सा दबाव है, ऐसा कौन सा तनाव है, ऐसा कौन सा अविश्वास है कि जिस पति के साथ फेरे लिए उसकी हत्या करवा रही हैं. दूसरे व्यक्ति को अपना बनाने के लिए अपने पति को मार डालना बहुत बड़ा पाप और विश्वासघात है.

आज का कार्टून



हमारे त्यौहार, परंपराएं और वह विरासत जो हमें आगे सौंपनी है

त्यौहार सजावट, कपड़े, भोजन और उत्सव से कहीं अधिक हैं। वे अपनेपन, परिवार, आस्था, सांझी यादों और हमारी विरासत की निरंतरता के बारे में हैं। दीवाली के दीये, होली के रंग, दशहरे का संदेश और हमारे घरों में होने वाली प्रार्थनाएं वे धागे हैं, जो एक पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी से जोड़ते हैं। उपहार, तीन पत्ती खेलना, अपना पारंपरिक भोजन खाना, हंसना, गाना, चुटकुले सुनाना, हवा में हंसी और खुशी का माहौल रहता है। हमें यह विरासत अपने पूर्वजों से मिली है। अब इसे संजोना, मनाना और आगे सौंपना हमारी बारी है। क्योंकि जब हमारे बच्चे इन परंपराओं को समझते हैं और आगे बढ़ाते हैं, तो वे केवल एक त्यौहार को ही जीवित नहीं रखते, वे भारत के इतिहास, उसकी पहचान और उसकी आत्मा के एक हिस्से को जीवित रखते हैं। और शायद यही सबसे बड़ा उत्सव है। इस सब की सबसे अच्छी बात वह विश्वास है, जो हम रखते हैं, कि हमारे और हमारे देश के लिए अच्छे और सुखद दिन आने वाले हैं।

देवी चेरियन

भारत में त्यौहारों के मौसम में कुछ बेहद खास होता है। उत्साह उत्सव शुरू होने से काफी पहले ही शुरू हो जाता है। घरों की साफ-सफाई और सजावट की जाती है, बाजार जीवंत हो उठते हैं, नए कपड़े खरीदे जाते हैं, मिठाइयां बनाई और बांटी जाती हैं और परिवार मिलने-जुलने की योजनाएं बनाने लगते हैं। दोस्त इकट्ठा होते हैं, रिश्तेदार आते हैं, बच्चे उत्सव का बेसब्री से इंतजार करते हैं और रोजमर्रा की दिनचर्या एक साथ होने की खुशी में बदल जाती है। अपने पारंपरिक भारतीय कपड़े पहनना, पहला दीया जलाना, मिठाई बांटना और परिवार के साथ पूजा के लिए बैठना ऐसे अनुभव हैं जो साल के इस समय को इतना सार्थक बनाते हैं।

दशहरा, करवा चौथ, दीवाली और होली कैलेंडर की तारीखों से कहीं बढ़कर हैं। वे हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं, जो हमें हमसे पहले की पीढ़ियों से जोड़ते हैं। प्रत्येक त्यौहार की अपनी कहानी और महत्व है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाता है, दीवाली अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है, होली रंगों और खुशियों के जरिए लोगों को एक साथ लाती है, जबकि करवा चौथ प्रार्थना, आस्था और भक्ति की परंपराओं को संजोए हुए है। ये उत्सव केवल आनंद के अवसर नहीं हैं, वे उन विश्वासों और मूल्यों को दर्शाते हैं जिन्होंने सदियों से भारतीय समाज को गढ़ा है। इस विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हमारी पूजा, प्रार्थना और रीति-रिवाजों में समाया है। दीया जलाना, मंदिर की घंटियों की गूंज, अगरबत्ती की खुशबू, फूलों का अर्पण और परिचित मंत्रों की ध्वनि एक ऐसा वातावरण बनाती है, जो हमारे घरों और हमारे पालन-पोषण से गहराई से जुड़ा होता है। हममें से कई लोगों के लिए, ये बचपन की अनमोल यादें हैं-अपने माता-पिता और दादा-दादी को पूजा करते देखना, हाथ जोडऩा सीखना, प्रार्थनाएं सुनना और प्रसाद का इंतजार करना। वे अनुभव धीरे-धीरे हमारे व्यक्तित्व का हिस्सा बन गए।

यही कारण है कि हमें अपने बच्चों को इन परंपराओं में शामिल करने का सचेत प्रयास करना चाहिए। उनके लिए केवल छुट्टियों, खरीदारी और उत्सवों का आनंद लेना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें यह समझना चाहिए कि हम दीया क्यों जलाते हैं, हम प्रार्थना क्यों करते हैं, हमारे त्यौहार किस बात के प्रतीक हैं और हमारे परिवारों में पीढ़ियों से कुछ खास रीति-रिवाजों का पालन क्यों किया जाता रहा है। परंपराओं को दायित्व या बोझ के रूप में नहीं थोपा जाना चाहिए, उन्हें इस तरह समझाया और अनुभव कराया जाना चाहिए कि बच्चे उनके साथ अपना स्वाभाविक जुड़ाव विकसित कर सकें। भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक ताकत इसकी विविधता है। हम कई भाषाओं, आस्थाओं, रीति-रिवाजों, खान-पान और उत्सव मनाने के तरीकों वाला देश हैं। बंगाल की दुर्गा पूजा, महाराष्ट्र की गणेश चतुर्थी, केरल का ओणम, पंजाब की बैसाखी, असम का बिहू और तमिलनाडु का पोंगल, प्रत्येक का अपना अनूठा स्वरूप है। ये क्षेत्रीय उत्सव स्थानीय इतिहास और पहचान की अभिव्यक्ति हैं, फिर भी एक साथ मिलकर वे एक राष्ट्र के समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने का निर्माण करते हैं।

ये अवसर स्थानीय संगीत, परिधान, रीति-रिवाजों और परंपराओं को जनता के सामने लाते हैं। युवा पीढ़ी के



लिए, यह दृश्यता उनकी जड़ों के प्रति गर्व की एक नई भावना पैदा कर सकती है। यह उन्हें दिखाता है कि अपने राज्य और उसकी विरासत का जश्न मनाना गर्व से भारतीय होने से अलग नहीं है। हमारी विविधता कोई कमजोरी नहीं, यह उन चीजों में से एक है, जो हमें एक साथ बांध कर रखती है। यह एकता उस तरीके में भी दिखाई देती है जिस तरह से भारतीय त्यौहारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया जा रहा है। रंगों का त्यौहार होली और रोशनी का त्यौहार दीवाली अब दुनिया के कई शहरों में मनाए जाते हैं। विभिन्न राष्ट्रीयताओं और पृष्ठभूमियों के लोग इन आयोजनों में भाग लेते हैं और इनके पीछे के आनंद, प्रतीकवाद तथा सामुदायिक भावना की सराहना करते हैं। यह दिल को छू लेने वाली बात है कि जो परंपराएं भारत में शुरू हुईं, वे हमारी सीमाओं से बहुत दूर तक के उत्सवों का हिस्सा बन गई हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीयों के लिए त्यौहार घर से जुड़ाव का एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण जरिया हैं। विदेशों में पलने-बढऩे वाले बच्चे भले ही अलग जीवन शैली अपनाएं और दूसरी भाषाएं बोलें, फिर भी उन्हें अपने पारिवारिक रीति-रिवाजों को जानना चाहिए और उस संस्कृति को समझना चाहिए जिससे वे आते हैं। हमारी विरासत हमारे साथ चलनी चाहिए, जिंदगी हमें चाहे जहां भी ले जाए।

हमें यह पहचानना होगा कि परंपराएं अपने आप जीवित नहीं रहतीं। वे इसलिए जारी रहती हैं क्योंकि हर पीढ़ी उन्हें आगे बढ़ाने का सचेत प्रयास करती है। हमारे माता-पिता और दादा-दादी ने हमारे लिए ऐसा किया, अक्सर यह जाने बिना कि उनके कार्य हमारे जीवन को कितनी गहराई से प्रभावित करेंगे। अब यह हमारी जिम्मेदारी है। यदि हम अपनी प्रार्थनाएं, विश्वास, कहानियां और रीति-रिवाज अपने बच्चों के साथ सांझे नहीं करेंगे, तो हम उनसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे इन्हें अपने दम पर खोजेंगे और सुरक्षित रखेंगे। यदि हम अपने बच्चों को अपने समृद्ध इतिहास और दृढ़ विश्वासों से अवगत कराएंगे, तो जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए उनका व्यक्तित्व निश्चित रूप से मजबूत बनेगा। आधुनिक होने और अपनी जड़ों से जुड़े रहने के बीच निश्चित रूप से कोई अंतर्विरोध नहीं है। हमारे बच्चों को शिक्षित, स्वतंत्र, महत्वाकांक्षी और एक अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त रूप से आश्वस्त होना चाहिए। उन्हें नए विचारों और अवसरों का स्वागत करना चाहिए। लेकिन प्रगति की कीमत कभी भी अपनी पहचान भूलना नहीं होनी चाहिए। हम दुनिया को अपना सकते हैं और साथ ही उस संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं पर गर्व भी कर सकते हैं जिन्होंने हमें गढ़ा है।

अंततः, त्यौहार सजावट, कपड़े, भोजन और उत्सव से कहीं अधिक हैं। वे अपनेपन, परिवार, आस्था, सांझी यादों और हमारी विरासत की निरंतरता के बारे में हैं। दीवाली के दीये, होली के रंग, दशहरे का संदेश और हमारे घरों में होने वाली प्रार्थनाएं वे धागे हैं, जो एक पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी से जोड़ते हैं। उपहार, तीन पत्ती खेलना, अपना पारंपरिक भोजन खाना, हंसना, गाना, चुटकुले सुनाना, हवा में हंसी और खुशी का माहौल रहता है। हमें यह विरासत अपने पूर्वजों से मिली है। अब इसे संजोना, मनाना और आगे सौंपना हमारी बारी है। क्योंकि जब हमारे बच्चे इन परंपराओं को समझते हैं और आगे बढ़ाते हैं, तो वे केवल एक त्यौहार को ही जीवित नहीं रखते, वे भारत के इतिहास, उसकी पहचान और उसकी आत्मा के एक हिस्से को जीवित रखते हैं। और शायद यही सबसे बड़ा उत्सव है। इस सब की सबसे अच्छी बात वह विश्वास है, जो हम रखते हैं, कि हमारे और हमारे देश के लिए अच्छे और सुखद दिन आने वाले हैं।

लॉन्ग मार्च की आड़, जिनपिंग का बड़ा दांव!

भारत हिमालयी राज्य अरुणाचल प्रदेश के जेमिथांग और अन्य इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कांक्रीट और धन, दोनों झोंक रहा है. यही राज्य दोनों देशों के बीच हुए एकमात्र युद्ध का प्रमुख रणक्षेत्र भी रहा है. अनुमान है कि इस क्षेत्र में 90,000 से 1,20,000 तक चीनी सैनिक तैनात हैं. चीन ने अपनी ओर सड़कों का एक व्यापक नेटवर्क ही तैयार नहीं किया है बल्कि उसने सैकड़ों ऐसे 'दोहरी उपयोगिता वाले' गांव भी बसा लिए हैं, जहां नागरिक बस्तियों के साथ सैन्य बुनियादी ढांचा भी मौजूद है. वैसे चीन भारत के साथ कोई बड़ा युद्ध करना कदापि नहीं चाहेगा लेकिन वह भारत को दबाव में रखने की कोशिश करता रहेगा.

शी जिनपिंग वे सारी शक्तियां प्राप्त कर चुके हैं जो उन्हें सत्ता में आजीवन रखने के लिए पर्याप्त हैं. वे तो राजनीतिक विचारधारा में 'शी जिनपिंग थॉट' को भी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के संविधान में जुड़वा चुके हैं जिसे 'नए युग के लिए चीनी विशेषताओं वाले समाजवाद पर शी जिनपिंग के विचार' नाम दिया गया है. इससे पहले केवल माओ त्से तुंग और डेंग श्याओपिंग की विचारधारा ही कम्युनिस्ट पार्टी के संविधान में शामिल थी.

फिर भी ऐसा लगता है कि या तो जिनपिंग की महत्वाकांक्षाएं बहुत अधूरी सी हैं अथवा वे चीन के अंदर कुछ दरकने की आहटें सुनकर परेशान हैं. यदि ऐसा न होता तो शायद 1934 के 'लॉन्ग मार्च' को अब ग्लोरीफाई करने की जरूरत न आ पड़ती.

आखिर सच क्या है?

शी जिनपिंग इस समय माओ त्से तुंग और कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा 1934 में शुरू किए गए लॉन्ग मार्च को पुनः जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिहादी रुख अपनाए हुए हैं. इसकी वजह क्या है? एक तो यह कि चीन जिस तरह से कई प्रकार की आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहा है उसे सरकारी तंत्र सतह से ऊपर नहीं आने देता.

चीन में जिस तरह से घरेलू मांग घट रही है, वह अर्थव्यवस्था में बड़े बुलबुले के बनने का संकेत देती है. देर-सवेर यह फूटेगा जरूर. इसलिए जिनपिंग लोगों का ध्यान घरेलू कलह से माओ के संघर्ष (विशेषकर लॉन्ग मार्च) की ओर ले जाना चाहते हैं जिसमें चीनी स्वर्ण युग की छद्म व्यंजना को दिखा सकें.

दूसरी यह कि चीन का जेन-जी न माओ के संघर्ष को जानता है और न उनके विचारों के विषय में. उसकी दुनिया अलग है. लेकिन माओ उनके दिमागों में ठूंसना जरूरी है. यह उन्हें माओ के 'लॉन्ग मार्च' में दिखा, अतः हथियार बना लिया. यदि लोग इससे बंधे रहे तो चीन दुनिया की उथल-पुथल से बेअसर रहेगा अन्यथा बहुत कुछ डरावना तो है ही.

दरअसल चीन के सरकारी मीडिया ने 'लॉन्ग मार्च' की 90वीं वर्षगांठ के अवसर पर अंग्रेजी भाषा में एक डॉक्युमेंट्री जारी की है जिसमें दावा किया गया है कि 'लॉन्ग मार्च दृढ़ता, एकजुटता और आशा' की एक कहानी है. यह चीन के गृह युद्ध के दौरान



संघर्षरत कम्युनिस्टों की उस प्रसिद्ध, बेहद कठिन सैन्य वापसी का नाम है, जिसने चीनी इतिहास में एक विशेष स्थान हासिल किया.

खास बात यह है कि इस डॉक्युमेंट्री शृंखला के प्रस्तोता लॉन्ग मार्च के हजारों मील लंबे रास्ते के कुछ हिस्सों पर पुनः चलते दिखाई देते हैं और जगह-जगह पर आदर्शवादी और भावुक बातें करते हैं. एक प्रस्तोता उन दुर्गम क्षेत्रों में उभर चुकी गगनचुंबी इमारतों और डाटा सेंटरों को देखकर आश्चर्यचकित होते हुए कहता है, 'हमने न केवल इतिहास को देखा, बल्कि भविष्य को भी देखा.' इस भावुकता के जरिये शी जिनपिंग कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति युवाओं में एक ठोस मनोविज्ञान विकसित करना चाहते हैं.

'लॉन्ग मार्च' को लेकर एक और डॉक्युमेंट्री, जिसकी सह-निर्माता पीपल्स लिबरेशन आर्मी है, उसे नाम दिया गया है-'द ग्रेट एक्सपेडिशन' (महान अभियान). यह डॉक्युमेंट्री भी 1930 के दशक के अंधकारमय दौर के बाद चीन के आधुनिकीकरण का उत्सव मनाती है और धीरे से राष्ट्रपति शी जिनपिंग को इस विकास के केंद्र में ले आती है. 'लॉन्ग मार्च' शी की ताकत नहीं, डर से उपजी सुरक्षा की कुंजी है. फिर भी यदि अपेक्षित परिणाम नहीं मिले तो? तो वे भारत की पूर्वोत्तर सीमा की तरफ जरूर देखेंगे. क्या भारत इसके लिए तैयार है?

भारत हिमालयी राज्य अरुणाचल प्रदेश के जेमिथांग और अन्य इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कांक्रीट और धन, दोनों झोंक रहा है. यही राज्य दोनों देशों के बीच हुए एकमात्र युद्ध का प्रमुख रणक्षेत्र भी रहा है. अनुमान है कि इस क्षेत्र में 90,000 से 1,20,000 तक चीनी सैनिक तैनात हैं.

चीन ने अपनी ओर सड़कों का एक व्यापक नेटवर्क ही तैयार नहीं किया है बल्कि उसने सैकड़ों ऐसे 'दोहरी उपयोगिता वाले' गांव भी बसा लिए हैं, जहां नागरिक बस्तियों के साथ सैन्य बुनियादी ढांचा भी मौजूद है. वैसे चीन भारत के साथ कोई बड़ा युद्ध करना कदापि नहीं चाहेगा लेकिन वह भारत को दबाव में रखने की कोशिश करता रहेगा.



मेरी डिक्शनरी में डर शब्द नहीं: गंभीर

कप्तान अय्यर ने कहा- गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरूरत

नई दिल्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-2 से हराया। सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मेरी डिक्शनरी और डायरेक्टरी में डर नाम का कोई शब्द नहीं है। गंभीर ने पहले मैच का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि टीम ने 15 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद सिर्फ एक अभ्यास सत्र किया था, इसके बावजूद मुकाबला जीत लिया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि गेंदबाजी और फील्डिंग बेहतर हो सकती थी। वहीं न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को सीरीज का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पांच मैचों में 341 रन बनाए।

- **ध्यान अब वनडे सीरीज पर: अय्यर** – अय्यर के मुताबिक, न्यूजीलैंड में खेलने के दौरान खिलाड़ियों को अलग तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आसमान में साफ रोशनी और मैदान पर अंधेरे जैसी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियां भारत में आमतौर पर देखने को नहीं मिलतीं। कप्तान ने यह भी कहा कि टीम इन कमियों पर चर्चा करेगी। हालांकि, उनका ध्यान अब वनडे सीरीज पर है और खिलाड़ी अच्छे मूड में हैं।
- **ऋषभ पंत की चोट पर गंभीर के पास अपडेट नहीं** – प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर से ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास पंत की चोट को लेकर कोई पक्की जानकारी नहीं है।

थकान के बावजूद जीत हासिल की

गंभीर ने कहा, विदेशी परिस्थितियों में खेलते समय टीम को मुश्किल हालात से घबराना नहीं चाहिए। न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लंबी यात्रा और कम अभ्यास का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पहले मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। गंभीर ने इसी प्रदर्शन को टीम की मानसिक मजबूती का उदाहरण बताया। सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में भारत ने लगातार जीत दर्ज की। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए आखिरी दोनों मैच अपने नाम किए।

सीरीज का नतीजा उलटा भी हो सकता था- सैंटनर

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने माना कि सीरीज काफी करीबी रही। उनके मुताबिक, शुरुआती दो मुकाबलों में कुछ ऐसे मौके आए, जिन्हें न्यूजीलैंड भुना सकता था। अगर टीम उन मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करती, तो सीरीज का नतीजा भारत के बजाय न्यूजीलैंड के पक्ष में भी हो सकता था। सैंटनर ने गेंदबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आखिरी दो मैचों में गेंदबाजों ने परिस्थितियों के हिसाब से अपनी रणनीति बदली। तेज गेंदबाजों ने यॉर्कर, वाइड गेंदों और सही लेंथ का इस्तेमाल किया।

पीवी सिंधु ने रचा इतिहास

हाइलो ओपन जीतकर सीजन का दूसरा खिताब अपने नाम किया

जर्मनी: भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया है। सिंधु ने जर्मनी में खेले गए हाइलो ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में डेनमार्क की लाइन केजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने मौजूदा सीजन का अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया है।

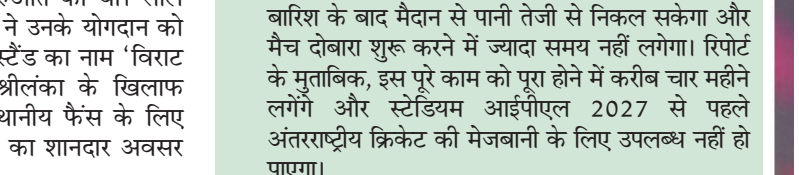
पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहीं सिंधु – सिंधु का हाइलो ओपन में प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने फाइनल तक के सफर में एक भी गेम नहीं गंवाया। अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने भारतीय खिलाड़ी प्रकृति भरत को हराकर की। इसके बाद फ्रांस की रोजी ओक्टाविया पंकासारी और जर्मनी की अमाली शुल्ज को मात देकर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत की ही अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया।

39 मिनट में फाइनल जीतकर बनीं चैंपियन

पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम महज 17 मिनट में 21-12 से जीतकर डेनमार्क की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-14 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय शटलर ने यह फाइनल केवल 39 मिनट में जीतकर शानदार अंदाज में खिताब पर कब्जा किया।

जापान ओपन के बाद अब हाइलो ओपन पर कब्जा

पीवी सिंधु के लिए यह साल खिताब के लिहाज से शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन 2026 के फाइनल में जापान की तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। अब हाइलो ओपन जीतकर उन्होंने इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया है।



फ्रैंकफर्ट ने हैम्बर्गर को 3-1 से हराया, टॉप-8 में हुई एंट्री



बर्लिन। आइनट्राख्त फ्रैंकफर्ट ने हैम्बर्गर एसवी को 3-1 से हराकर बुंडेसलिगा लीग में आठवां स्थान हासिल कर लिया है। जर्मन कप में जीत के बाद पांच दिनों के भीतर हैम्बर्ग के खिलाफ यह उनकी दूसरी जीत है। 59 हजार दर्शकों के सामने फ्रैंकफर्ट ने शानदार शुरुआत की और 10वें मिनट में ही बढ़त बना ली। कैन उजुन ने पेनल्टी एरिया में फेरेस चैबी को गेंद पास की, जिसे हैम्बर्ग के डिफेंडर वार्मड ओमारी ने रोकने की कोशिश में अपनी ही गोल पोस्ट में डाल दिया। चार मिनट बाद हैम्बर्ग ने बराबरी कर ली। लिलियन ब्रासियर, मिरो मुहेम की गेंद को ठीक से नहीं संभाल पाए, जिसका फायदा उठाते हुए अल्बर्ट ग्रोनबेक ने टेरेम मोफी को पास दिया। मोफी ने करीब से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हाफ टाइम से ठीक पहले फ्रैंकफर्ट के कप्तान रॉबिन कोच ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर डैनियल ह्यूअर फर्नांडीस ने उनके हेडर को बाहर धकेल दिया। हाफ टाइम के तुरंत बाद फ्रैंकफर्ट ने फिर से बढ़त बना ली। चैबी के कॉर्नर पर ब्रासियर ने हेडर लगाया, जिसे ह्यूअर फर्नांडीस पूरी तरह रोक नहीं पाए। रिबाउंड पर राफेल ओन्येदिका ने 47वें मिनट में गोल किया।

सेंथिलकुमार ने चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में बनाई जगह



ब्रनो। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने ब्रनो में चल रहे चेक ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। 35,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के खिलाड़ी और विश्व नंबर 32 ऑगस्ट डुसॉर्ड को हराया। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाड़ी को 11-7, 12-10, 11-1 से मात दी। चौथे वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अब फाइनल में स्कॉटलैंड के ग्रेग लोबन (जो शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर पर हैं) का सामना करेंगे। सेंथिलकुमार इस सीजन में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। शीर्ष वरीयता प्राप्त लोबन ने फ्रांस के तौफिक मेखल्फी को 11-9, 11-5, 11-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले, सेंथिलकुमार ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पहले गेम में भारतीय खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के जेरेमियास अजाना को आसानी से 11-3 से हराया।



दिल्ली में नहीं खेल पाएंगे विराट कोहली

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे की मेजबानी पर संकट

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली को अपने घरेलू मैदान दिल्ली में खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे फैंस को निराशा हाथ लग सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले की मेजबानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से छिन सकती है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से वेन्यू बदलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विराट कोहली की दिल्ली वापसी का इंतजार कर रहे थे फैंस – विराट कोहली के लिए दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम बेहद खास है। इसी मैदान और दिल्ली के घरेलू क्रिकेट से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2019 में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने उनके योगदान को सम्मान देते हुए स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड का नाम 'विराट कोहली पवेलियन' रखा था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ दिल्ली में होने वाला वनडे मुकाबला स्थानीय फैंस के लिए कोहली को अपने घरेलू मैदान पर देखने का शानदार अवसर हो सकता था।

- **आउटफील्ड के निर्माण कार्य के कारण बदला जा सकता है वेन्यू** – दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इस समय आउटफील्ड को आधुनिक बनाने का काम चल रहा है। डीडीसीए ने मैदान में सैंड बेस्ड ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने का फैसला किया है। इस तकनीक से बारिश के बाद मैदान से पानी तेजी से निकल सकेगा और मैच दोबारा शुरू करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे काम को पूरा होने में करीब चार महीने लगेंगे और स्टेडियम आईपीएल 2027 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएगा।

अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे कब खेला गया था?

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 11 अक्टूबर 2023 को खेला गया था। यह आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का मुकाबला था, जिसमें भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया था। फिलहाल स्टेडियम में निर्माण कार्य के चलते दिल्ली की घरेलू टीम को भी अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबले पालम स्थित एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में खेलने पड़ रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी में जुटे विराट कोहली

दूसरी ओर विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। टी20 सीरीज खत्म होने के बाद वह न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं और नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे 4 नवंबर को खेला जाएगा। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद कोहली का फोकस अब मुख्य रूप से वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर है।

एंटोनेली ने सबसे कम उम्र के एफ1 चैंपियन का खिताब जीता

नई दिल्ली। किमी एंटोनेली ने रविवार को इतिहास रचते हुए फॉर्मूला वन के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 20 वर्षीय मर्सिडीज ड्राइवर ने मैक्सिको सिटी ग्रांड प्रिक्स में मैक्स वर्स्टापेन और लुईस हैमिल्टन के बाद तीसरे स्थान पर रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की।

किमी, जो फॉर्मूला वन रेसिंग में अपने दूसरे ही सीजन में हैं, ने सेबेस्टियन वेटेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 2010 में अपनी चार ड्राइवर चैंपियनशिप में से पहली चैंपियनशिप जीतने के समय 23 साल और 133 दिन के थे। अपनी उपलब्धि की वास्तविकता को समझते हुए किमी अपने आँसू रोकने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

टीम रेडियो पर, नव-ताजपोश विश्व चैंपियन पहले तो कुछ बोल नहीं पा रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने मर्सिडीज को अपने सपने को साकार करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। 'हमने कर दिखाया! हमने कर दिखाया!' उसे हंसते-हंसते आंसुओं के साथ कहते हुए सुना गया। इसके बाद जो जश्न मनाया गया, वह इस अवसर के अनुरूप ही था।

पोडियम पर एंटोनेली अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश कर रहे थे, तभी वर्स्टापेन और हैमिल्टन ने भी उनका साथ दिया और नव-प्रतिभाशाली चैंपियन को हवा में उठा लिया। यह एक यादगार दृश्य था: खेल के दो महानतम ड्राइवर फॉर्मूला वन चैंपियन की नई पीढ़ी के आगमन का जश्न मना रहे थे। मैं भविष्य में और अधिक मुकाबलों के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह तो बस शुरुआत है।' एंटोनेली के लिए, यह सात साल के कार्टिंग के शौकीन से लेकर मोटरस्पोर्ट के शिखर तक की एक उल्लेखनीय यात्रा की परिणति थी।



मर्सिडीज टीम के प्रमुख टोटो वोल्फ के लिए भी, 2025 सीज़न से पहले हैमिल्टन की जगह 18 वर्षीय खिलाड़ी को मौका देने के उनके महत्वपूर्ण जोखिम भरे फैसले की पुष्टि का क्षण था।

उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक मोंज़ा में देखने को मिला, जहाँ उन्होंने ग्रिड पर 19वें स्थान से शुरुआत करने के बावजूद अपने घरेलू ग्रैंड प्रिक्स में जीत हासिल की।

एक यादगार दूसरा सीज़न

एंटोनेली के चैम्पियनशिप जीतने वाले अभियान की विशेषता उनकी गति, निरंतरता और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रही है। सीज़न के तीसरे दौर, जापानी ग्रांड प्रिक्स के बाद उन्होंने ड्राइवर्स चैंपियनशिप में बढ़त हासिल कर ली और अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निर्णायक बढ़त बना ली। उन्होंने शुरुआती छह रेसों में से पांच में जीत हासिल की और सीज़न आगे बढ़ने के साथ-साथ अपनी इस लय को बरकरार रखा। जब चैंपियनशिप मैक्सिको पहुंची, तब तक एंटोनेली नौ ग्रांड प्रिक्स जीत चुके थे। उन्होंने केवल दो रेसों में अंक हासिल नहीं किए, और दोनों बार यांत्रिक समस्याओं के कारण ऐसा हुआ।

मेसी का शानदार प्रदर्शन, इंटर मियामी ने न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन को 2-1 से हराया

फॉक्सबोरो। लियोनेल मेसी ने एक बेहतरीन असिस्ट और मैच के आखिर में किए गए गोल की मदद से इंटर मियामी को न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने अगले साल होने वाले कॉन्काकैफ चैंपियंस कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत से मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ से पहले ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 2 सीड की स्थिति में पहुंच गई है। इस सीजन में मेसी के नाम अब 26 गोल और 16 असिस्ट हो गए हैं। इसके साथ ही वह लगातार तीसरी बार एमएलएस एमवीपी अवार्ड और लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतने की रेस में सबसे आगे हो गए हैं।

पहले 45 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और हाफ टाइम तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस दौरान इंटर मियामी को 28वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मेक्सिकन खिलाड़ी बर्टेरामे ने बॉक्स के बाईं ओर से बाएं पैर से शॉट मारा, जिसे न्यू इंग्लैंड के गोलकीपर मैट टर्नर ने बचा लिया। दूसरे हाफ में, 53वें मिनट में डेनियल गाजदाग के गोल की बदौलत मेजबान टीम (न्यू इंग्लैंड) ने खाता खोला। 69वें मिनट में इंटर मियामी ने शानदार टीम वर्क दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। सेगोविया ने बॉक्स के अंदर एक 'लॉब' पास दिया, जिस पर मेसी ने हेडर से गेंद को बर्टेरामे की तरफ बढ़ाया। बर्टेरामे ने बॉक्स के बीच से एक जोरदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में बर्टेरामे का 10वां गोल था, जबकि मेसी का यह इस लीग सीजन का 16वां असिस्ट रहा।



83वें मिनट में इंटर मियामी ने मैच का पासा पूरी तरह से पलटा। एक बेहतरीन पासिंग सीक्वेंस के बाद मेसी ने निर्णायक गोल किया। सुआरेज ने बॉक्स के बाहर बीच में मेसी को गेंद दी, जहां अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने तीन डिफेंडरों को छकाया। इसके बाद सेगोविया के साथ मिलकर वह बॉक्स के अंदर पहुंचे और एक सटीक शॉट के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मेसी के कुल गोल की संख्या 26 हो गई है, जिससे वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। वहीं, इस रेगुलर सीजन में सेगोविया के असिस्ट की संख्या 12 हो गई है। इसके बाद 1-2 की स्कोरलाइन अंतिम सीटी बजने तक कायम रहा, जिससे इंटर मियामी ने अपने घर से बाहर खेलते हुए तीन अंक हासिल किए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए त्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670